एंजेलिनो और नंगे पैरों वाला संत



वैलेन्टी एंजेलो, हिंदी: जलज शर्मा

यह एंजेलिनो के परिवार के लिए काफी स्वाभाविक था कि वह सेंट फ़्रांसिस की उस मूर्ति के प्रति इतना समर्पित था जो टस्कनी में उनके छोटे से गाँव के चर्च के उद्यान में खड़ी थी। एंजेलिनो (जिसका इतालवी में अर्थ है "छोटी परी") का जन्म संत दिवस पर हुआ था, और वह सभी जीवित चीजों के लिए संत जैसा ही कोमल स्नेह रखता था। हर गर्मियों में एंजेलिनो इमानदारी से जंगली फूल इकट्ठा करता और उन्हें मूर्ति के लकड़ी के पैरों पर रखता और थोड़ी देर रुक कर बात करता रहता थे जैसे कि संत जीवित हों।

लेकिन जब वह लड़का दस साल का था, तो भीषण सर्दियों ने लिटिल आल्प्स में बर्फ और कड़कड़ाती ठंड ला दी, तो उसे संत की चिंता होने लगी। उसे लगा कि संत का कोमल चेहरा अपनी खुशी खो चुका है और शांत व उदास दिख रहा है। एंजेलिनो तब तक आराम नहीं कर सका जब तक कि वह संत के संकट का कारण नहीं जाना और उसने कोई उपाय नहीं ढूंढा।

उस कारण के लिए उसकी खोज पाठक को पूरे गाँव के घरों और छोटी दुकानों में ले जाती है, एंजेलिनो और उसके दोस्तों के साथ दोस्ती कराती है। और जब, क्रिसमस पर, एंजेलिनो का उपाय एक सुंदर छोटे से "चमत्कार" का कारण बनता है, तो जो कोई भी इसके बारे में पढ़ता है, उसे उन दयालु लोगों के साथ अपनापन महसूस होता है जिनके लिए यह बहुत महत्वपूर्ण था।



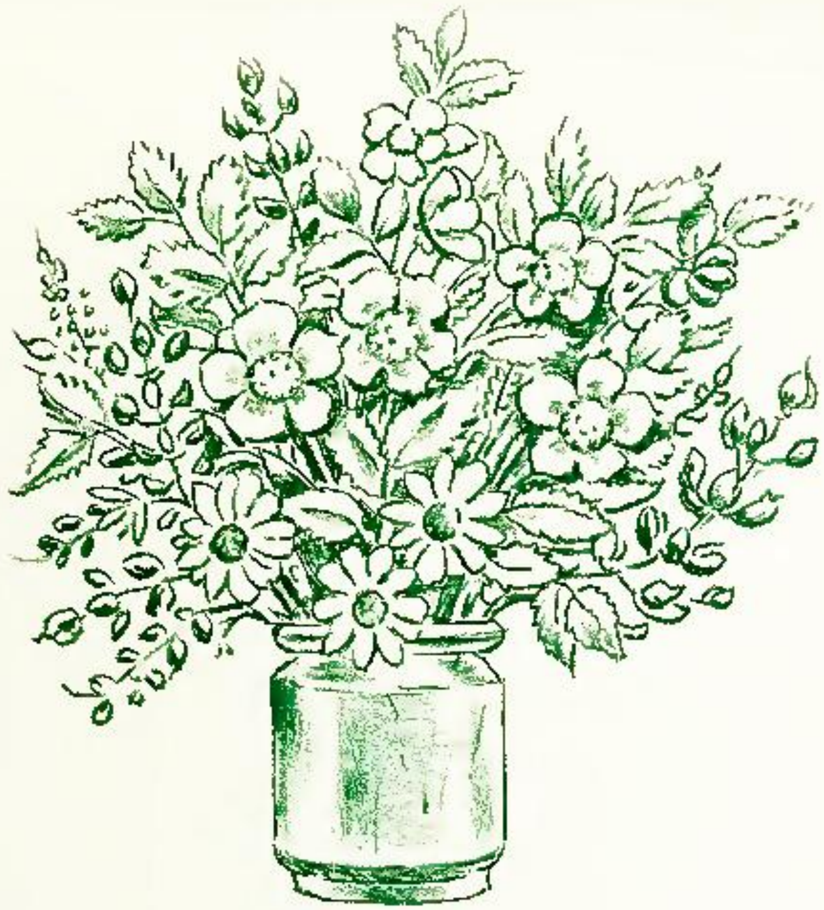
एंजेलिनो और नंगे पैरों वाला संत

वैलेन्टी एंजेलो

हिंदी: जलज शर्मा



एंजेलिनो और
नंगे पैरों वाला संत







टस्कनी में लिटिल आल्प्स की तलहटी के पास एक घाटी में एक लड़का रहता था जिसका नाम एंजेलिनो था। वह एक शांत, अच्छे स्वभाव का, मिलनसार, प्राणियों के साथ कोमल और बेहद सरल हृदय का लड़का था। अपने सभी दस वर्षों के लिए, वह छोटा और पतला था। जो लोग उसे जानते थे वे उसे एंजेलिनो कहते थे। उसके माता-पिता के पास एक छोटा सा खेत था, जिसे वे सालाना बोते और काटते थे। इससे वह मुश्किल से अपना गुजर-बसर कर पाते थे।लेकिन अपनी गरीबी के बावजूद वे खुश थे।

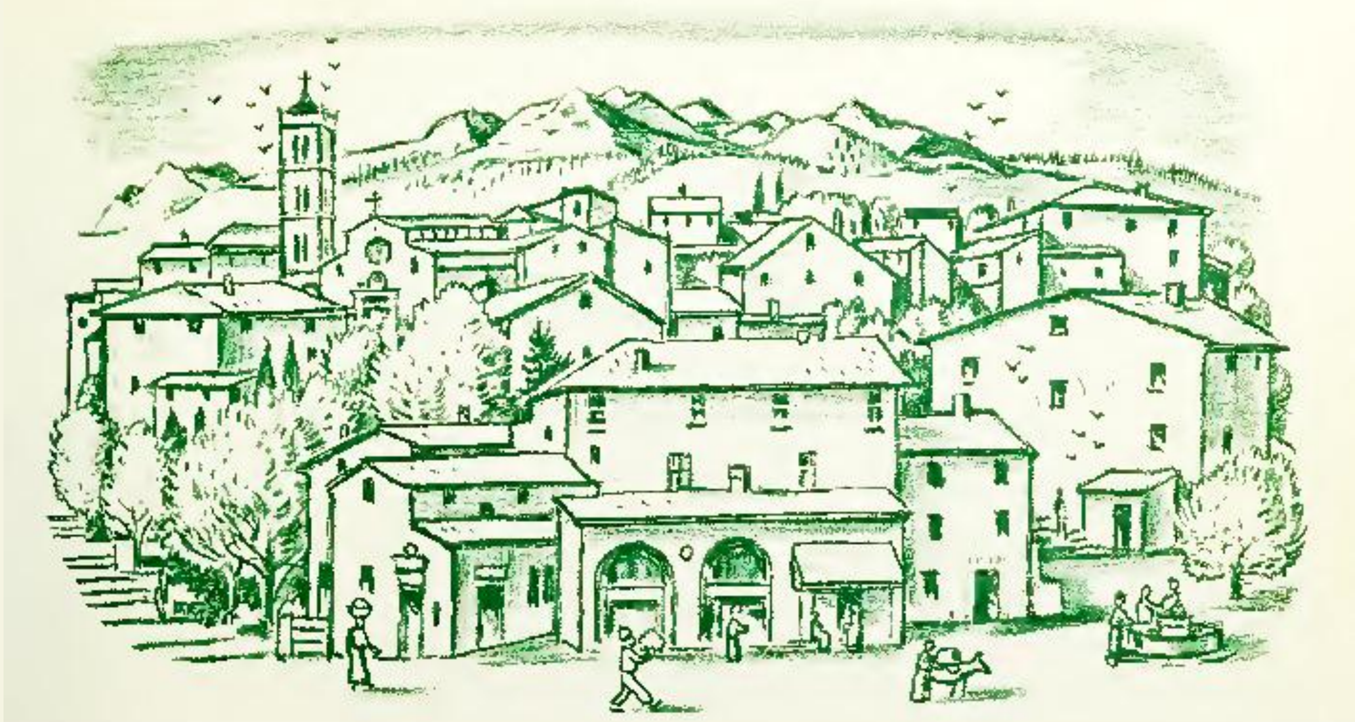
गर्मियों के अंत में एक दोपहर एंजेलिनो अपने दैनिक काम खत्म कर रहा था। जब वह खलिहान में बैल को जौ खिला रहा था, तो उसने देखा कि बैल के कंधे पर खरोंच है। उसने धीरे-धीरे घाव पर कुछ लेप लगाया और पूछा, "क्या अब यह बेहतर लग रहा है?" बैल के जवाब में झुकने पर वह हँसा और आगे बढ़ा। "अगर मैं आज जल्दी में हूँ तो मुझे माफ कर देना। मुझे आज एक खास काम करना है।"

खलिहान के दरवाजे से वह सूरज को क्षितिज के करीब देख सकता था। "जल्द ही अंधेरा हो जाएगा", उसने बैल से कहा, और अपने पालतू उल्लू को मांस के कुछ टुकड़े देने चला गया जिसे वह खलिहान के बाहर एक पिंजरे में रखता था, क्योंकि उसका पैर घायल हो गया था। उसने कुछ ही समय में मुर्गियों, खरगोशों और बकरियों को खाना खिलाया और फिर उसका काम पूरा हो गया। अब वह वास्तव में उस काम के बारे में सोच सकता था जो उसके दिमाग में पूरे दिन था।

सप्ताह में एक बार, जब से उसे याद है, वह संत एंजेलिनो के पास फूल लेकर जाता था, और आज फिर से जाने का दिन था। वह पास के खेत में गया जहाँ नीले ल्यूपिन, गुलबहार और जंगली गुलाब प्रचुर मात्रा में उगते थे। जैसे ही उसने एक बड़ा गुलदस्ता इकट्ठा किया, उसने सोचा, "पिछले शनिवार को मैंने उनके लिए जो फूल छोड़े थे, वे सब अब तक मुरझा गए होंगे। इन नए फूलों को पाकर वह खुश होंगे।"

चर्च के बगीचे में एंजेलिनो के पसंदीदा, सेंट फ्रांसिस थे। उसका जन्मदिन संत के जन्मदिन पर ही था और उसे यह एक बहुत बड़ा सम्मान लगता था।

वह जल्दी से रसोई में गया, जहां उसकी माँ शाम का खाना बना रही थी। उन्होने एक कांच के जार में फूलों को व्यवस्थित करने में उसकी मदद की। "रात के खाने के लिए देर मत करना", उन्होंने कहा और मुस्कुराते हुए, उसे गाँव की ओर जाने वाली सड़क पर दौड़ते हुए देखने लगी।



उसके पिता ने कुएँ से उसकी ओर हाथ हिलाया। "आराम से जाओ," उन्होने पुकारा। एंजेलिनो के भाई टिनो और उसकी बहन एना उसे नंगे पैर चलते देख हसँ पड़े। उसके दादा एक चौड़े, फैले हुए ओक के पेड़ के नीचे बैठे थे। एंजेलिनो को तेजी से आगे बढ़ते देखकर उन्होंने अपना सिर हिलाया और मुस्कुरा दिये। "यह लड़का और इसका संत!" उन्होने कहा।

पत्थर के पुल के ऊपर से, अंगूर के बगीचे, मकई के खेत और जैतून के बगीचे के बराबर से निकलते हुए एंजेलिनो चलता गया। आगे का गाँव, अपनी संकीर्ण घुमावदार सड़कों, चौखटों, आंगनों और लाल-टाइलों वाली छतों के साथ ढलते सूरज की सुनहरी रौशनी में नहाया हुआ था। जब वह दुकानों और लोगों से भरी सड़कों से जल्दी जल्दी गुजर रहा था तो चर्च की घंटी बजने लगी। वह बेकरी, गैरेज, कैबिनेट निर्माता की दुकान और जूते बनाने वाले की दुकान के आगे से गुजरा। ऐसा लग रहा था कि हर कोई उसे जानता था। "हैलो, एंजेलिनो।" "कैसे हो, एंजेलिनो?" गाँव के कुछ लड़के और लड़कियां खिलखिलाकर हसँ रहे थे। वे उसे "छोटा संत" या "छोटे पैर" कहते थे। लेकिन एंजेलिनो को इससे कोई आपत्ति नहीं थी। वह मुस्कुराते हुए अपने रास्ते चला जा रहा था।



अंत में वह चर्च के बगल के बगीचे में आया और पत्थर के मेहराब वाले प्रवेश द्वार से अंदर गया। उसके ऊपर ऊंची घंटी वाली मीनार सूरज की ढलती रौशनी में चमकीली लाल लग रही थी।

फूलों के जार को ले जाते हुए, एंजेलिनो झाड़ियों और छोटे सदाबहार पौधों के बीच बने रास्ते पर चल रहा था। दिन के इस समय बगीचे में एक रहस्यमय चमक छा गई थी। पक्षियों और कुछ खरगोशों को छोड़कर बगीचे में कोई नहीं था। झींगुरों के कुकने की आवाज पक्षियों के मधुर गायन के साथ मिश्रित हो रही थी। गाँव की सड़कों से कभी-कभी आने वाली आवाज़ों से चर्च के बगीचे की शांति भंग कर रही थी।

एंजेलिनो संत की नक्काशीदार लकड़ी की मूर्ति के सामने खड़ा था। वह आदमकद से छोटी थी, संत एक पत्थर पर बैठे था, उनके पैर नंगे थे, और उनके सिर को ढंकने वाला साधारण वस्त्र, रंग में चमकीला होने के बावजूद, खुरदरा और घिसा हुआ दिखाई देता था।

शाम की रोशनी में एंजेलिनो, वह विनम्रता और प्रेमपूर्ण-दया से भरा, मुस्कुराता हुआ चेहरा देख सकता था। वह हमेशा की तरह इस प्रतिमा से मोहित हो चुका था। आश्रय के एक तरफ जहाँ मूर्ति बैठी थी, पत्थर की दीवार में एक बड़ी-सी संगमरमर की पटिया लगायी गयी थी। उस पर संत फ्रांसिस का "सूर्य का गीत" लिखा हुआ था।

उन्होंने फूलों को उस आधार पर रखा जहां संत के पैर आराम कर रहे थे। उसी समय एक ब्लू जे ऊपर छोटी सी छत पर उतरा और उसे देखने लगा। एंजेलीनो ने ऊपर देखा। "आप एक पालतू पक्षी हैं, मैं जानता हूं कि आप संत के मित्र हैं और यह देखने आए हैं कि मैं क्या कर रहा हूं। डरिए मत, आपकी ही तरह मुझे भी संत बहुत प्रिय हैं।

ब्लू जे ने जोर की आवाज निकाली, फिर अपने पंख फड़फड़ाकर बगीचे के एक दूर कोने में उड़ गया। एंजेलिनो हंस पड़ा। उसने फूलों को संत के नंगे पैरों के और करीब रख दिया और जैसे ही उसने ऐसा किया उसे एक अद्भुत चीज दिखी। वह निश्चित था कि वे पैर हिले थे! बिना सांस लिए वह उन्हें देख रहा था। कुछ क्षणों के बाद उसने अपनी दृष्टि को साफ करने के लिए अपनी आँखें झपकाते हुए बगीचे में दूर देखा। फिर उसने दोबारा देखा। "शायद मैंने केवल इसकी कल्पना की थी, लेकिन मुझे लगभग यकीन है कि मैंने उन्हें हिलते हुए देखा था!"

उसने ऊपर संत की ओर देखा और गंभीरता से पूछा, "क्या आपने अपने पैर हिलाएं हैं या नहीं?" लेकिन इसका जवाब केवल नक्काशीदार आकृति की मुस्कान थी - एक ऐसी मुस्कान जो एंजेलिनो को गहरी शाम के बावजूद अब तक की सबसे अधिक चमकती हुई मुस्कान लग रही थी जो उसने संत के चेहरे पर देखी थी। और वह खुशी से भर गया। बगीचे में रात तेजी से आ रही थी। चर्च के ऊपर, गहरे नीले आकाश में वह ध्रुव तारे को चमकते हुए देख सकता था। "मुझे अब अपने रास्ते पर होना चाहिए। देर हो रही है। मुझे सच में भूख भी लगी है। लेकिन वह सेंट फ्रांसिस से अपनी प्रार्थना करने के लिए कुछ मिनट और रुका। उसने घुटने टेक दिए।

"हे भगवान, मुझे अपनी शांति का साधन बनाएं।

जहां घृणा है, वहां मुझे प्रेम बोने दो।

जहां चोट लगी हो, वहां क्षमा हो।

जहां संदेह है, वहां विश्वास हो;

जहां निराशा है, वहां आशा हो;

और जहां उदासी है, वहां आनंद हो।

एक उल्लू काफी नीचे उड़ते हुए द्वार तक एंजेलिनो का पीछा करता रहा, फिर गाँव की छतों पर गायब हो गया। जब एंजेलिनो घर पहुँचा, तब तक बहुत रात हो चुकी थी और हवा में ठंडक थी। वह चूल्हे की गर्मी और खाना पकाने की अच्छी खुशबू से खुश था।

रात के खाने के दौरान उसने कहा, "मैं घर तक भाग कर आया।"

उसकी बहन ने पूछा, "तुमने इतना समय क्यों लगाया?" "हम इंतजार करते रहे और इंतजार करते रहे।"

उसके भाई टीनो ने हंसते हुए कहा, "एना, एंजेलिनो को दोष मत दो। उसके पैर बहुत छोटे हैं वरना वह जल्दी यहां पहुचँ जाता। क्या यही कारण काफी नहीं है?"

दादा ने मुस्कुराते हुए कहा। "और आज तुम्हें संत कैसे मिले, एंजेलिनो?"

"मुझे खुशी है कि मैंने उन्हें नए फूल दिए, दादाजी।"

उसके भाई ने पूछा, "क्या उन्होंने तुम्हारे लिए कोई चमत्कार किया?"

"पता नहीं", एंजेलिनो ने शुरू किया, "लेकिन-" और फिर वह हिचकिचाया।

उसकी बहन ने पूछा, "क्या हुआ? मुझे लगता है कि संत फ्रांसिस ने तुम्हारे सिर पर थपथपाया और फूलों के लिए धन्यवाद दिया?"

"नहीं", एंजेलिनो ने जवाब दिया, "लेकिन वह मुस्कुरा दिये।"





उस वर्ष अक्टूबर के अंत तक मैदान इतना ठंडा हो गया था कि एंजेलिनो अब नंगे पैर नहीं जा सकता था। उसके जूतों की एकमात्र जोड़ी थोड़ी तंग थी और उन्हें मरम्मत की सख्त आवश्यकता थी। चलते-चलते उसके पैर के तलवे फड़फड़ाते रहे, लेकिन उसने उन्हें खुशी से पहना और शिकायत नहीं की। उसे यकीन था कि किसी दिन उसके पिता उसे एक नई जोड़ी खरीद कर दे सकेंगे।

एक समय के हरे-भरे खेत अब भूरे हो गए थे, और जल्द ही, शायद ही कहीं कोई जंगली फूल मिल पाएगा। इसलिए एंजेलिनो ने पेड़ों से चमकीले पत्तों का गुलदस्ता तैयार किया- पीले और लाल पत्तों से, संत के सामने रखने के लिए।

यह शराब बनाने का समय था। एंजेलिनो के पिता का शराब निकालने का यंत्र एक अतिरिक्त आय का स्रोत था। वे बैलगाड़ी पर यंत्र के साथ बगीचों में चक्कर लगाने में व्यस्त थे। फसल कटाई के तुरंत बाद पाला धीरे-धीरे जमने लगेगा।

हवाएं भी बदल गई थी, और बर्फ से ढके छोटे आल्प्स से बर्फीली शीत बह रही थी। एंजेलिनो अपनी माँ द्वारा बुने गए ऊनी कछुए की गर्दन जैसे स्वेटर के अंदर से, उस ठंड को महसूस कर सकता था।

एक दोपहर स्कूल के बाद एंजेलिनो चर्च के बगीचे में गया। सूरज चमक रहा था, और चिमनी से धुंधला धुआं आसमान में फ़ैल रहा था। हवा की सुखद गंध ने एंजेलिनो को याद दिलाया कि यह शाहबलूत इकट्ठा करने का समय था।

वह बगीचे में घूमता रहा और यह देखकर निराश हो गया कि गर्मी की सुन्दरता एकदम गायब ही हो गई थी। अधिकांश पक्षी भी चले गए थे। "वे दक्षिण की ओर उड़ गए हैं, जहां गर्मी है," उसने सोचा। "लेकिन वे वापस आ जाएंगे।" वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर फड़फड़ाते हुए दो कौवों पर हंसते हुए अपने आप से बोला।

फिर अचानक उसने उन्हें बगीचे के फव्वारे के पीछे जमीन पर पहले से कहीं अधिक नीचे झुकते हुए देखा। वे जोर जोर से कांव कांव कर रहे थे। एंजेलिनो यह देखने के लिए दौड़ा कि क्या हो गया। कौवों ने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया। एक पल में वह वहां पहुंच गया। उसे देखकर कौए उड़ गए। एंजेलिनो ने जमीन पर एक गौरैया देखी। उसने उसे उठाया और उसे कोमलता से पकड़ लिया। उसके एक पंख पर चोट लगी थी। एंजेलिनो ने उसके दिल की धड़कन को महसूस किया और यह देखकर खुश हुआ कि वह अभी भी जीवित है। पक्षी को हाथ में लेकर उसने उसपर एक गर्म सांस फेंकी। उसने अपनी आँखें खोलीं और उसे धीरे से देखा।

उसने थोड़ा संघर्ष किया, फिर चुपचाप लेट गया। "चिंता मत करो", एंजेलिनो ने कहा। "यह केवल एक टूटा हुआ पंख है। मैं इसे ठीक कर सकता हूं।" छोटा पक्षी जैसे समझ गया। एंजेलिनो ने उसे धीरे से अपनी जेब में रख लिया।



कौवे उसके ऊपर की एक शाखा पर आ बैठे। "शर्म करो!" एंजेलिनो चिल्लाया, "शर्म करो, शर्म करो, काले शैतानों, एक असहाय छोटे पक्षी को मारने के लिए। यह सही नहीं है! "फिर उसने अपना आपा खोने के लिए थोड़ा मूर्खता महसूस की। उसने अपनी जेब में गौरैया को देखा, और यह देखकर राहत महसूस की कि उसकी आंखों मे कुछ चमक थीं। लेकिन इस घटना ने उसे दुखी कर दिया। वह सोचने लगा, "इतने छोटे पक्षी पर दो बड़े पक्षी क्यों चढ़े?" उसे कुछ भी समझ में नहीं आया।

वह बगीचे के उस पार चला गया जहां संट फ्रांसिस बैठे थे। अपनी पिछली यात्रा पर उसने जो ओक और शाहबलूत के पत्ते छोड़े थे, वे सभी सूख गए थे और आकृति के आधार के चारों ओर हवा से बिखरे हुए थे। इससे वह और भी निराश हो गया, क्योंकि अभी उसके पास और कुछ नहीं था और न ही वह कुछ ला सकता था।

उसने संत की ओर देखा और कहा, "आपको अब वसंत में फूल खिलने तक इंतजार करना होगा।" लेकिन अचानक उसके गले में शब्द बंद हो गए। उसने अपने ऊपर के चेहरे को देखा और हकलाया, "क्यों.. क्या.. मेरा मतलब आपकी आहत करना नहीं था।" वह और करीब से देखने के लिए पंजों पर खड़ा था लेकिन फिर भी उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वह अचानक आशंका से भर गया। "यह बहुत अजीब है,“ उसने सोचा। "संत बहुत दुखी लग रहे हैं।" वह लंबे समय तक देखता रहा, हर पल संत के मुख पर एक मुस्कान देखने की उम्मीद करता रहा। लेकिन अचानक सूरज बगीचे की दीवार के पीछे से गायब हो गया, जिससे मूर्ति के आसपास अंधेरा हो गया, और संत पहले से कहीं अधिक उदास लगने लगे।

एंजेलिनो इतना हैरान था कि उसने ज़ोर से कहा, "मुस्कुराएं! कृपया फिर से मुस्कुराएं! "फिर वह रोने लगा। उसने जेब में हाथ डाला और अपनी ठंडी उंगलियों से गौरैया के गर्म छोटे शरीर को सहलाया। इससे उसे भी आराम मिला। उसके आंसू अचानक वैसे ही समाप्त हो गए जैसे वे शुरू हुए थे। "शायद कल वह फिर से मुस्कराएंगे", उसने कहा।

बगीचे से बाहर निकलते समय एंजेलिनो की मुलाकात श्रीमान गैलो से हुई जो जूते बनाता था।

उन्हें तुरंत पता चल गया कि लड़के के साथ कुछ गड़बड़ है। "ओह, शायद तुम्हें बहुत सर्दी लगी है," उन्होने कहा। "अपना ध्यान रखना, एंजेलिनो।" एंजेलिनो ने अपनी नाक सिकोड़ी और अपनी लाल आंखें पोंछ ली। "यह सर्दी नहीं है, श्रीमान गैलो। फिर उसने बूढ़े आदमी को गौरैया के बारे में बताया।

तुम कह रहे हो कि उसका पंख टूट गया है? दुर्भाग्यपूर्ण छोटी चिड़िया," उन्होंने कहा।

एंजेलिनो ने कहा, "लेकिन मैं इसे फिर से ठीक कर सकता हूं।" "मैंने अपने पालतू उल्लू के टूटे हुए पैर को ठीक किया है और मैं श्रीमान रफिनो के कुत्ते की भी देखभाल कर रहा हूँ।"

"फिर ठीक है," बूढ़े आदमी ने कहा। उन्होने लड़के के टूटे हुए जूतों और घटिया कपड़ों को कोमल, गंभीर आँखों से देखा, लेकिन बस इतना ही कहा, "ठीक है, मैं जा रहा हूँ। जल्दी ही मेरी दुकान पर आना, एंजेलिनो। और उस छोटे पक्षी को एक अच्छी गर्म जगह पर रखना।"

"ओह, मैं ऐसा करना नहीं भूलूंगा, श्रीमान गैलो।

"घर जाते समय एंजेलिनो बेहतर महसूस करने लगा।





कुछ दिनों बाद स्कूल से घर जाते समय एंजेलिनो की मुलाकात गीनो से हुई, जो उसकी ही उम्र का लड़का और एक करीबी दोस्त था। गीनो हमेशा अच्छे कपड़े पहनता था और अच्छा खाना खाता था, लेकिन वह हमेशा असंतुष्ट दिखाई देता था। जब वह एंजेलिनो से बात कर रहा था तो वह अपने पिता की बेकरी के बिस्कुट खा रहा था। उसने एंजलिनो को एक बिस्कुट दिया और बोला "खाओ, एंजेलिनो", फिर उसने कहा "थैले में बहुत से बिस्कुट हैं। तुम और ले सकते हो।"

एंजेलिनो ने एक और बिस्कुट ले लिया। "ठीक है, अगर तुम्हें कोई आपत्ति नहीं है तो मैं और ले लेता हू। यह बहुत स्वादिष्ट हैं।”

"आपत्ति? मुझे क्यों आपत्ति होगी। मुझे वह सब मिल सकता है जो मैं चाहता हूँ", गीनो ने कहा। "तुम हमेशा से बहुत शर्मीले हो। इतने शर्मीले होने की आवश्यकता नहीं है। तुम्हें जो मिल रहा है वह ले लेना चाहिए।"

दोनों लड़के चर्च की सीढ़ियों पर बैठकर बाकी बिस्कुट खाने लगे। वह एक ठंडा दिन था, लेकिन सूरज चमकीला और गर्म था इसलिए कबूतर घंटी वाली मीनार से नीचे आ गये थे और चौराहे के चारों ओर घूम रहे थे। बैलगाड़ी, ऑटोमोबाइल और पैदल चलने वाले लोगों ने चौक में कभी न खत्म होने वाली आवाजाही जारी रखी। लड़कों ने लोगों की व्यस्तता का दृश्य देखते हुए आखिरी बिस्कुट खाए और फिर टुकड़ों को कबूतरों की तरफ फेंक दिया।

"तुम्हें एक बात बताऊं?" गीनो ने अचानक कहा। "मैं अपने पिताजी से नाराज़ हूँ।"

एंजेलिनो, जो अपने प्यारे संत के बारे में सोच रहा था, एकदम से चौंक गया। उसने पूछा, "क्या तुम अपने पिताजी से गुस्सा हो?"

"हाँ, मेरे पिताजी से। और मुझे ऐसा करना भी चाहिए।"

"पर क्यों," एंजेलिनो ने पूछा।



"क्योंकि वह मेरे लिए स्कूटी नहीं खरीद रहे, इसलिए एंजेलिनो ने आश्चर्य से गीनो की ओर देखा। "तुम्हें स्कूटी की क्या आवश्यकता है? तुम्हारे पास पहले से ही एक साइकिल है। "

"ओह, वह पुराना मलबा। वह पर्याप्त तेज़ नहीं है। इसके अलावा, मैं साइकिल चलाने से ऊब गया हूँ।

"एंजेलिनो ने अपने टूटे हुए जूतों पर नज़र डाली और हँसा। "ओह निश्चित रूप से तुम केवल मजाक कर रहे हो, गिनो," उसने कहा।

"कौन मज़ाक कर रहा है? मेरा मतलब इसके हर शब्द से है। और जब भी मैं इसके बारे में सोचता हूं तो मैं बहुत गुस्सा हो जाता हूं। मैं बस किसी भी दिन घर छोड़ने वाला हूँ," गीनो ने नाराजगी जताते हुए कहा।

एंजेलिनो ने तब भी सोचा कि उसका दोस्त मजाक कर रहा है और उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसे क्या कहना चाहिए। आखिरकार उसने विषय बदल दिया। "क्या तुम मेरे साथ चर्च के बगीचे में आओगे? मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूँ।"

"तुम मुझे क्या दिखाना चाहते हो?" गीनो, जिसका मन अभी भी सभी दिशाओं में दौड़ने वाले स्कूटरों पर था, ने पूछा।

एंजेलिनो ने कहा, "क्या तुमने हाल ही में संत को देखा है?"

"कौन से संत? संत पीटर, पॉल, या मैथ्यू?"

"उनमें से कोई नहीं, गीनो। सेंट फ्रांसिस। तुम जानते हो, वह जो बगीचे में है?"

"निश्चित रूप से मैं उन्हें जानता हूँ। खैर, उनके बारे में क्या?"

"चलो। मैं तुम्हें दिखाऊंगा। "गीनो विशेष रूप से बगीचे में नहीं जाना चाहता था, लेकिन वह एंजेलिनो के पीछे चला गया। उसका गुस्सा कुछ हद तक कम हो गया था, और अब वह ज्यादातर अपने पिता के साथ रहने की कठिनाइयों के बारे में बात कर रहा था। जब वे रास्ते में चल रहे थे तो एंजेलिनो धैर्यपूर्वक सुन रहा था और हर समय वह उम्मीद कर रहा था कि संत की मुस्कान उसे फिर से दिखाई देगी।

लेकिन पहली नज़र में उसे लग गया कि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। लड़के संत की मूर्ति के सामने रुक गए, और गीनो ने पूछा, "ठीक है, तुम मुझे क्या दिखाना चाहते हो?"

"उन्हें देखो, गीनो। बस उनके चेहरे को देखो।"

गीनो ने ध्यान से देखा और अंत में कहा, "मुझे तो कुछ भी असामान्य नहीं दिख रहा है।"

"लेकिन वह दुखी है ", एंजेलिनो ने कहा। "वह पहले की तरह मुस्कुरा नहीं रहा है।"

"क्या संतों को दुखी नहीं होना चाहिए?" गीनो ने पूछा। "जो भी संत मैंने देखे है वह सब ऐसे ही लगते हैं।"

"लेकिन सेंट फ्रांसिस नहीं, गीनो। वह एक खुश संत हैं। मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं और वह हमेशा मुस्कुराते रहते हैं।"

यानी वह थोड़ी देर पहले तक मुस्कुरा रहे थे। फिर अचानक उन्होंने अपनी मुस्कान खो दी। मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूँ।"

"यह बहुत अजीब लग रहा है, एंजेलिनो," गीनो ने कहा। "नक्काशीदार लकड़ी की मूर्ति इस तरह कैसे बदल सकती है?"

"यही बात मुझे परेशान कर रही है - मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता।"

"चलो चलते हैं और मेरे पिताजी से पूछते हैं," गीनो ने कहा। "उन्हें इस तरह की चीज़ों में दिलचस्पी है।"

एंजेलिनो हैरान था। "लेकिन मुझे लगा था कि तुम उनसे नाराज़ हो।"

गीनो ने गुस्से में देखा। "बेशक मैं नाराज़ हूँ, लेकिन इतना नहीं कि मैं उनसे एक महत्वपूर्ण सवाल भी नहीं पूछ सकूं। चलो। शायद वह तुम्हें बता सकें कि क्या गलत है।" वे गेट की ओर बढ़ने लगे और गीनो ने कहा", मुझे इस बगीचे में आए हुए कई साल हो गए हैं। यह गर्मियों में अच्छा लगता होगा।"

"यह सुंदर है," एंजेलिनो ने कहा, और चुप हो गया।



जब लड़के पहुंचे तो गिनो के पिता बेकरी की मेज पर आटे की एक बड़ी मात्रा को गूंथ रहे थे। उन्होंने एंजेलिनो का गर्मजोशी से स्वागत किया और लगभग उसी सांस में अपने बेटे को पेस्ट्री को न छूने की चेतावनी दी।

लेकिन उस समय गीनो की खाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

"पिताजी", उसने अचानक कहा, "एंजेलिनो सेंट फ्रांसिस के बारे में भ्रमित है।"

बेकरी वाला भी हैरान हो गया। "मैं समझा नहीं, गिनो। तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"

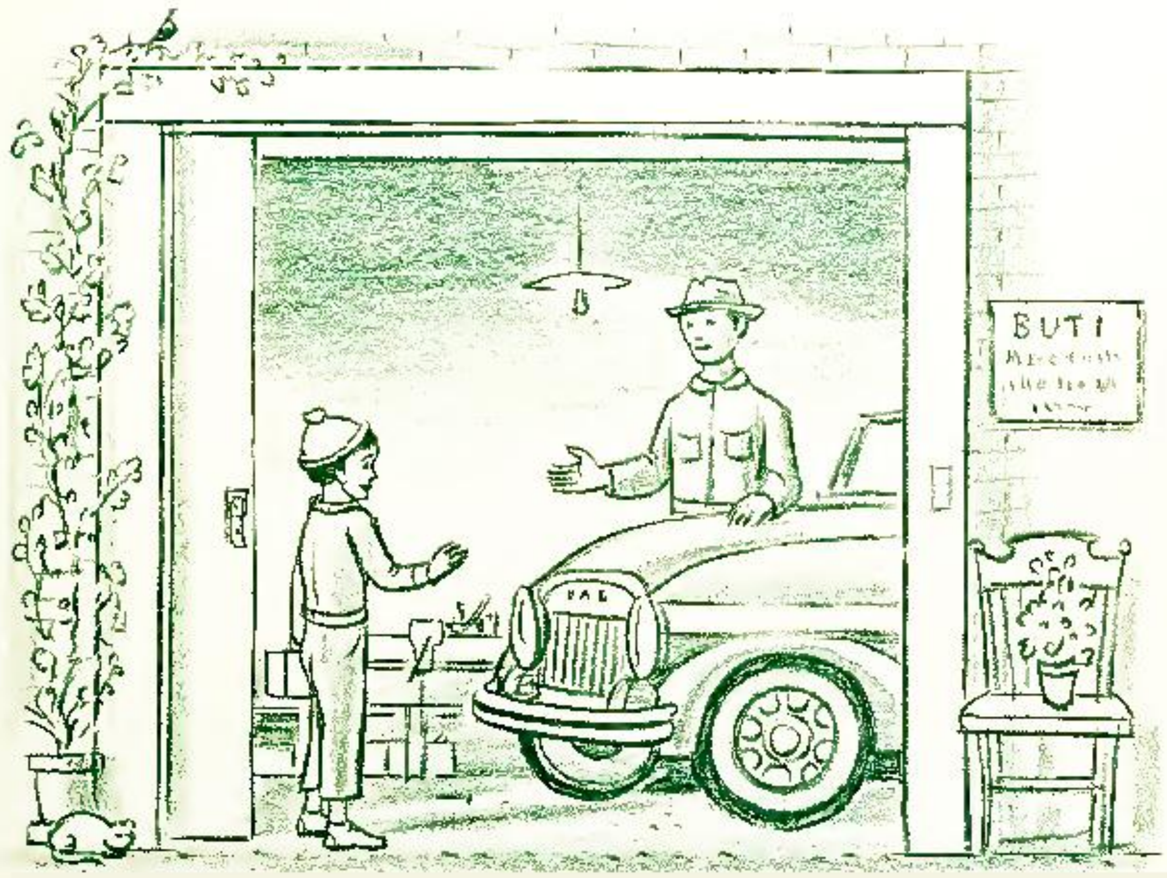
"चर्च के बगीचे में संत फ्रांसिस की मूर्ति के बारे में। एंजेलिनो कहता है कि वह पहले मुस्कुराते था, लेकिन अब वह दुखी है," गीनो ने अपने साथी की ओर देखा। "यह सही है, है ना?"

"यह सच है, श्रीमान बियांको," एंजेलिनो ने ईमानदारी से कहा। "आप खुद जाकर देख सकते हैं।"

गीनो ने कहा, "क्या आपने पहले कभी ऐसी घटना के बारे में सुना है, पिताजी?"

उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहें, लेकिन अंत में उन्होंने कहा, "मैं संतों के मामले में विशेषज्ञ होने का नाटक नहीं करता, एंजेलिनो। मुझे खुद जाकर यह चमत्कार देखना होगा। मैं हाल में इतना व्यस्त रहा हूं कि मुझे प्रार्थना सभा में जाने के लिए भी मुश्किल से समय मिलता है। लेकिन मैं जल्द ही बगीचे में जाऊंगा।" फिर कुछ सोचकर उन्होंने दयालुता से कहा, "उनके दुख का कोई कारण होना चाहिए। इस जीवन में हर चीज का एक कारण होता है।" फिर उन्होंने आटे के ढेर पर सूखा आटा डालकर उसे लुढ़काया और पीटा। "चिंता मत करो, एंजेलिनो। यदि संत नाखुश हैं तो इसका कोई कारण है।" अपनी आंख के कोने से उन्होंने गिनो को एक पेस्ट्री के लिए हाथ बढ़ाते हुए देखा, और लगभग अपने आप से कहा, "गिनो, पेस्ट्री से दूर रहो! काश अगर केवल तुम्हारी माँ अभी भी तुम पर नज़र रखने के लिए जीवित होती!"

जब एंजेलिनो ने कहा कि उसके घर जाने का समय आ गया है तो उन्होंने उसे अपने परिवार के लिए ले जाने के लिए एक बड़ा अखरोट और किशमिश का केक दिया। जैसे ही वह सड़क पर गया, एंजेलिनो सोचने लगा, "मुझे आश्चर्य है कि गिनो इतना दुखी क्यों है। उसके पास रहने के लिए एक अच्छा घर है और खाने के लिए बहुत कुछ है। अच्छे कपड़े और और खर्च करने के लिए पैसे हैं, और उसके पिता बहुत दयालु हैं।" एंजेलिनो कल्पना नहीं कर सकता था कि इस सब के बाद भी कोई नाखुश कैसे हो सकता है। फिर वह खिलखिलाकर हँसने लगा। "गीनो और उसकी स्कूटी!" उसने अपने आप से कहा। "आप कभी नहीं जान सकते कि वह आगे क्या चाहेगा।"



रास्ते में एंजेलिनो बेकरी से कुछ दरवाजों की दूरी पर श्रीमान बुटी के गैराज में देखने के लिए रुक गया। उसने श्रीमान बुटी को मुहँ में अंगूठा लिए हुए एक पैर से दूसरे पैर पर कूदते हुए देखा। एंजेलिनो ने सोचा कि एक वयस्क के लिए यह बहुत अजीब व्यवहार है। लेकिन एक-दो मिनट इंतजार करने के बाद, यह सोचकर कि क्या हो रहा है, उसने कहा, "हैलो, श्रीमान बुटी। आप कैसे हैं?" श्रीमान बुटी को गाँव में होने वाली हर बात में बहुत दिलचस्पी थी, और एंजेलिनो ने अब उनसे संत के बारे में बात करने का इरादा किया था।

लेकिन जब वह आदमी केवल गरजने लगा तो उसे समझ आया कि उन्होंने गलती से हथौड़े से अपने अंगूठे पर प्रहार कर दिया था। उन्होने एंजेलिनो से चले जाने और किसी और दिन वापस आने के लिए कहा।

"मुझ पर यह कृपा करो", वह बोले लेकिन एंजेलिनो नहीं गया। उसने कहा, "श्रीमान बुटी, अगर आप ठंडे पानी में अपना हाथ डालेंगे तो इससे दर्द में मदद मिलेगी।"

श्रीमान बुटी ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया, और अपना अंगूठा चूसते रहा। फिर उन्होंने अपना मन बदल लिया, और अपना हाथ पानी की बाल्टी में डाल दिया जो गिरते हुई पानी की बूंदों को पकड़ने के लिए एक बेंच पर रक्खी थी। उनकी आँखें चमक उठीं। "आह, ओह! यह वास्तव में अच्छा लग रहा है! धन्यवाद, एंजेलिनो।"

"इसके बारे में सोचो," उन्होने आगे कहा। "बीस वर्षों से मैं उपकरणों को संभाल रहा हूँ और कभी खुद को केवल एक छोटी सी खरोंच या छोटी चोट से ज्यादा नहीं लगा। और आज जब मिलान से एक बड़ी महंगी कार, जो एक बैलगाड़ी से टकरा गई थी, पर, जल्दी में काम करने का अवसर मिला तो मैंने अपना अंगूठा तोड़ लिया!"

एंजेलिनो ने तब तक सुना जब तक कि उन्हें थोड़ा बेहतर नही महसूस होने लगा। फिर उसने साहस किया और पूछा, "श्रीमान बुटी, क्या आप संतों के बारे में कुछ जानते हैं?"

मैकेनिक मुस्कुराया। "मैं तुमसे विनती करता हूँ, एंजेलिनो, अभी मुझसे इतना कठिन सवाल मत पूछो। मैं एक मैकेनिक हूँ, पादरी नहीं।" वह हैरान नज़र आया। "तुम क्यों पूछते हो? क्या तुम्हें स्कूल में कोई समस्या है?"

"नहीं, यह मेरी अपनी समस्या है चर्च के बगीचे में संत के बारे में, श्रीमान बुटी।"

मैकेनिक ने अपने सूजे हुए अंगूठे को भौंहें से देखा, फिर कहा," मैं भूल गया था कि उस बगीचे में एक संत था। इससे पता चलता है कि मुझे काम करने के बाद कितना कम समय मिलता है। खैर, उनके बारे में क्या?"

"बगीचे में संत फ्रांसिस हैं, श्रीमान बुटी। और वह बहुत दुखी है।"

मैकेनिक ने अपना अंगूठा वापस पानी की बाल्टी में डाल दिया।

"एंजेलिनो, तुम भी जानते हैं और मैं भी जानता हूं कि संत फ्रांसिस सात सौ साल पहले थे।"

"यह उनकी मूर्ति है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूं, श्रीमान बुटी," एंजेलिनो ने धैर्य से कहा।

"ओह, अब मैं समझा।" बूटी ने अपनी ठोड़ी रगड़ते हुए कहा। "क्या तुम मुझे यह बताने की कोशिश कर रहे हो कि वह मूर्ति एक जीवित व्यक्ति में बदल गई है।"

एंजेलिनो बोला, "यह तो मैं नहीं जानता लेकिन मैं विश्वास से कह सकता हूं कि पहले वे मुस्कुराते हुए लगते थे पर अब वो दुखी प्रतीत हो रहे हैं।"

"एंजेलिनो, यह तो तुम बहुत अजीब बात कर रहे हो। क्या तुम कहना चाहते हो कि कोई चमत्कार हुआ है," बूटी ने पूछा।

एंजेलिनो बोला," यह पक्का कोई चमत्कार ही होगा कि वह दोबारा से मुस्कुराएं।"

श्रीमान बूटी बोले," किसी दिन मैं समय निकालकर बगीचे में जाकर मूर्ति को देखूंगा। वह मूर्ति बगीचे के उत्तर दिशा में है न।"

"जी, श्रीमान बूटी", एंजेलिनो ने कहा।

मकैनिक बूटी ने अपना हथौड़ा उठाया और बिना एक शब्द बोले अपना काम करने लगा। ऐसा लग रहा था कि उन्हें अपना दर्द भूल गया था और वह जोर जोर से लोहे को पीट रहे थे।

एंजेलिनो कुछ समय तक इंतजार करता रहा कि शायद श्रीमान बूटी कुछ सोचकर संत की उदासी के बारे में कुछ बोलेंगे। पर जल्दी ही उसे लग गया कि मकैनिक का दिमाग पूरी तरह अपने काम पर था इसलिए वह वहां से बिना कुछ नया जाने चल पड़ा।

वह कुछ ही कदम चला था कि सड़क के दूसरी तरफ से किसी ने उसे आवाज लगाई।

एंजेलिनो मुड़ा और उसने देखा कि उसके पिता के मित्र, श्रीमान रफीनो, जो कैबिनेट बनाते थे, अपनी दुकान के गेट पर खड़े थे।

"हैलो श्रीमान रफीनो," एंजेलिनो ने कहा और दुकान की खिड़की में लगे सामान को देखने लगा। वह जानता था कि दुकान में सभी सामान हाथ से बना था और उसपर खूबसूरत नक्काशी की हुई थी किन्तु एक नक्काशीदार कुर्सी को देखकर उसकी आँखें हैरत से फैल गई।

उसने कहा, "यह सबसे अद्भुत कुर्सी है जो मैंने आज तक देखी है।" "यह इतनी सुरुचिपूर्ण है कि यह एक सिंहासन की तरह दिखती है।"

श्रीमान रफिनो खुशी से मुस्कुराए। "धन्यवाद, एंजेलिनो। मुझे खुशी है कि तुम्हें यह पसंद आई।"

लड़के की आवाज़ से एक बूढ़ा कुत्ता दुकान से बाहर आया। वह एंजेलिनो के चारों ओर चक्कर काटने लगा और उसने उसका हाथ चाट लिया। एंजेलिनो ने अपने हाथ के केक को नीचे रख दिया और कुत्ते की पट्टी की जांच करने के लिए घुटने टेक दिए।



"श्रीमान रफिनो,क्या आपको लगता है कि हड्डी ठीक हो रही है," एंजेलिनो ने पूछा।

कैबिनेट निर्माता ने जवाब दिया, "तुम्हारी देखभाल के कारण इसमें हर दिन सुधार हो रहा है। हम अब किसी भी दिन लकड़ी को हटा सकते हैं।"

कुत्ता अपनी पूंछ हिलाता है और भौंकता है जैसे कि वह समझ गया हो कि श्रीमान रफ़िनो ने क्या कहा था। फिर वह गया और दरवाजे पर लेट गया। वह एंजेलिनो को प्यार से देख रहा था। एंजेलिनो ने अपना केक उठाया और फिर से खिड़की में कुर्सी को देखने चला गया। उसने पूछा, "क्या आपने इसे किसी राजा या राजकुमार या ऐसे किसी व्यक्ति के लिए बनाया है?"

"राजाओं और राजकुमारों!" लकड़ी की नक्काशी करने वाला खुशी से हँसा। "राजाओं, रानियों और राजकुमारों और उन सभी विलासिताओं के दिन हमेशा के लिए चले गए हैं। पर तुमने पूछा है तो मैं बताऊंगा - मैंने इसे बनाने की खुशी के लिए बनाया है। सभी संतो की कसम, यही सच है।"

"संत" शब्द ने एंजेलिनो को याद दिलाया कि वह क्या था जो उसे परेशान कर रहा था। उसे लगा कि उसे लकड़ी की नक्काशी करने वाले से सलाह लेनी चाहिए। आखिरकार, श्रीमान रफिनो एक सम्मानित कलाकार और अत्यधिक शिक्षित थे। शायद वह इस रहस्य को सुलझा सकते थे।

तो एंजेलिनो ने कहा, "श्रीमान रफिनो, आप चर्च के बगीचे में सेंट फ्रांसिस की लकड़ी की मूर्ति को जानते हैं, है ना?"

निश्चित रूप से, एंजेलिनो। मैंने इसे दो साल पहले फिर से पेंट किया था। मौसम के कारण यह पेंट इतना कम हो गया था कि हमारे गाँव के आगंतुक यह नहीं बता सकते थे कि यह कौन सा संत हैं। तुम क्यों पूछ रहे हो? क्या उसे फिर से रंगने की आवश्यकता है?"

"ओह, नहीं," एंजेलिनो ने कहा। "रंग तो अभी भी लगभग उतना ही चमकीला और दमदार है जितना कि जब आपने उसे लगाया था। लेकिन वह एक पल के लिए हिचकिचाया।





"लेकिन कुछ हुआ है, कुछ ऐसा जो मुझे समझ नहीं आता" आप तो जानते हैं कि संत हमेशा मुस्कुराते हैं।"

"हाँ, निश्चित रूप से, मुस्कुराहटों में सबसे स्वर्गीय," लकड़ी की नक्काशी करने वाले ने कहा, जो गहरी रुचि के साथ सुन रहा था।

एंजेलिनो ने कहा, "पर अब वह मुस्कुरा नहीं रहें है।"

श्रीमान रफ़िनो ने अपनी झाड़ीदार भौहें को झटका। कुछ देर के लिए वह चुपचाप अपनी पाइप पीते रहे। फिर उन्होंने कहा, "यह बहुत संभव है, एंजेलिनो। यह केवल एक भ्रम हो, निश्चित रूप से, संभवतः प्रकाश के एक निश्चित खेल के कारण। जिस व्यक्ति ने हमारे संत फ्रांसिस की नक्काशी की थी, वह निस्संदेह एक ऐसा कलाकार था जिसने बहुत दिल लगा कर काम किया था। एंजेलिनो, तुम समझ रहे हो कि मैं क्या कह रहा हूं।"

"हां, शायद मैं समझ रहा हूं। उस कलाकार को अपने काम से बहुत प्यार था। आप यही कहना चाह रहे हो न,श्रीमान रफिनो।"

"यह सही है", लकड़ी के कारीगर ने कहा। "और कला का एक अच्छा काम, विशेष रूप से एक नक्काशी, विभिन्न प्रकार की रोशनी से रहस्यमय तरीके से बदल सकता है। तुम एक भ्रम देख रहे हैं, एंजेलिनो। शायद कल संत फिर से मुस्कुरा रहे होंगे।"

लड़का ध्यान से सुन रहा था। उसने कहा, "मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही होगा। ओह, मैं निश्चित रूप से उम्मीद करता हूं कि ऐसा ही हो। धन्यवाद, श्रीमान रफिनो, शुभ रात्रि।"

एंजेलिनो जल्दी से घर को चल पड़ा। सूर्य अस्त हो चुका था, और धूसर क्षितिज पर एक चमकीली पीली लकीर छोड़ गया था। तलहटी के ऊपर, लिटिल आल्प्स की बर्फ से ढकी चोटियों से नीले और नारंगी रंग के छिड़काव में सूर्य की अंतिम किरणें प्रतिबिंबित हो रही थी। एक तेज हवा चल रही थी, और एंजेलिनो को जूतों के थके हुए तलवों के माध्यम से पृथ्वी का बर्फीलापन महसूस हो रहा था। वह भागने लगा।

"तुम्हें आज फिर देर हो गई है।" उसकी बहन एना ने कहा। "आज तुम्हें किस चीज ने रोका और यह तुम्हारे हाथ के डिब्बे में क्या है।"

यह एक केक है जो मुझे गीनो के पिताजी ने हम सब के लिए दिया है।"

"अरे वाह," एना और टीनो ने कहा। "वह स्वादिष्ट केक बनाते है।"

एंजेलिनो की माँ ने कहा, "सबसे बढ़िया। यह उनकी दयालुता है। सब लोग बैठ जाएँ। रात का खाना तैयार है।"

एंजेलिनो ने कहा", आप लोग शुरू करें, मैं एक मिनट में वापस आ जाऊंगा।"

उसने रोटी का एक छोटा टुकड़ा लिया और घायल गौरैया, जिसे वह गर्म चिमनी के पास अपने कमरे के कोने में एक छोटे से डिब्बे में रखता था, को खिलाने के लिए सीढ़ियों पर चढ़ गया। गौरैया ने जब एंजेलिनो के आने की आवाज सुनी तो वह पूरी तरह से जाग गयी और जोर से चिल्लायी। एंजेलिनो ने उसे खिलाया और उसे तेजी से खाता देखकर खुशी से हंसा। उसने ध्यान से टूटे हुए पंख की जाँच की। "यह बहुत अच्छी तरह से जुड़ रहा है। बहुत समय नहीं लगेगा जब तुम बाहर उड़ जाओगी।" उसने डिब्बे में कुछ टुकड़े छोड़ दिए, पानी के छोटे पैन को फिर से भर दिया, और रात का खाना खाने के लिए नीचे चला गया।

टीनो ने पूछा, "क्या गीनो को उसकी स्कूटी मिल गयी है?"

"नहीं, उसके पिता उसे नहीं खरीदेंगे। गीनो इस बात पर बहुत गुस्सा है।"

दादा हँसे। "वह एक जंगली है, वह गीनो।"

"और क्या आप उसके स्कूटी पर होने की कल्पना कर सकते हैं?" एना ने कहा। "वह अपनी साइकिल पर ही काफी खराब है। एक स्कूटी पर वह एक वास्तविक खतरा होगा। इसके अलावा, वह केवल दस साल का है।"

टीनो ने कहा, "ओह, यह केवल गीनो के सपनों में से एक है। जैसे जब सब यह समझ रहे थे कि वह भाग गया है।"

एना हंस-हंस कर दोहरी हो गई। "और उसके पिता ने उसे तहखाने में पेस्ट्री की एक बड़ी ट्रे के साथ छिपा हुआ पाया था और उसके चेहरे पर चकते निकल आए थे!"

उसकी माँ ने कहा, "यह कोई हँसने की बात नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हर कोई जानता है कि श्रीमान बियांको अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहा है।"

दादाजी ने कहा," जीवन इसी तरह चलता है। लेकिन अपनी सभी परेशानियों के बावजूद हमें अपना विश्वास बनाए रखना चाहिए।" वह एंजेलिनो की ओर मुड़े।

क्या तुम्हें भूख नहीं लगी? सपने देखना बंद करो और खाना खाओ। क्या तुम्हें कोई परेशानी है?"

जब अन्य लोग बातें कर रहे थे, एंजेलिनो को फिर से अपने प्रिय संत का उदास चेहरा याद आया। लेकिन वह पूरे परिवार के सामने दादाजी को कैसे बता सकता था? फिर अचानक उसे एक अजीब सी सनसनी महसूस हुई और उसका चेहरा राहत से चमक उठा। संत फ्रांसिस पहले हमेशा मुस्कुराते थे, इसलिए निश्चित रूप से वे फिर से मुस्कुराएंगे। वह हमेशा के लिए दुखी नहीं रह सकते थे। एंजेलिनो ने गहरी सांस ली और जल्दी से खाना शुरू कर दिया।

उसकी माँ और पिता ने अपने बेटे की चेहरे में अचानक आए बदलाव को देखा। दोनों ने तुरंत पूछा, "गाँव में और किसे देखा?"

"सब लोगों को", एंजेलिनो ने कहा। "मैंने श्रीमान गैलो, श्रीमान बियांको और गिनो को देखा। फिर मैंने गैराज में श्रीमान बुटी को देखा। उन्होने हथौड़े से अपना ही अंगूठा तोड़ लिया। फिर मैंने श्रीमान रफिनो को देखा। उनका कुत्ता बहुत बेहतर हो रहा है। उन्होंने मुझसे कला के बारे में बात की। उसके बाद मैं घर आया।"

उन्होंने कहा, "एंजेलिनो, तुम्हारा दिन निश्चित रूप से व्यस्त रहा होगा।"

अगले दिन एंजेलिनो, टिनो और एना शाहबलूत, हेज़लनट और मशरूम इकट्ठा करने के लिए उपर पहाड़ की तलहटी में चले गए। उन्होने चट्टानों और पेड़ों के बीच खेल खेले, गाने गाए, शोर मचाया, और मन भर कर मेवे खाए।

ऊंचाइयों से वे नीचे के छोटे से गाँव को देख सकते थे। इसके आसपास के खेत एक बिसात की तरह दिखते थे। दूर से भूमध्य सागर एक धुंधला से धब्बे सा दिख रहा था। उसके आसपास का भू-भाग हर तरफ चर्च के मीनारों से भरा हुआ था।

एंजेलिनो ने कहा, "मेरा थैला आधा भर चुका है।" उसने हेज़लनट इकट्ठा करने का फैसला किया था। टिनो, जो पेड़ पर चढ़ने में अच्छा था, शाहबलूत इकट्ठा कर रहा था।



एना एक छोटी टोकरी ले गई थी और पेड़ो के चारों ओर गिरी हुई पत्तियों के नीचे छिपी मशरूम की खोज में इधर-उधर घूम रही थी।

अचानक एंजेलिनो को एक साही दिखाई दिया और उसने उत्साह से दूसरों को इस छोटे जानवर को देखने के लिए बुलाया। टिनो ने इसे एक छड़ी से छुआ तो यह एक गेंद जैसा लुढ़क गया, इसके तेज काटें उसके शरीर के अंदर हो गए।

"मैं उसे घर ले जाऊँगा," एंजेलिनो ने कहा।

एना ने कहा, "नहीं!" "चिड़ियाघर के लिए तुम्हारे पास पहले से ही पर्याप्त पालतू जानवर हैं। तुम्हारे पास एक उल्लू, एक गौरैया, खरगोश, बकरियाँ, बैल और बहुत सी मुर्गियाँ हैं। एक और जानवर की देखभाल तुम क्यों करना चाहते हो?"

"ओह, एना," एंजेलिनो ने कहा, "वह भूख और ठंड से मर जाएगा।"

"क्या! उस कवच के साथ?" टीनो ने पूछा।" तुम्हारे लिए बेहतर होगा कि तुम उसे यही पर छोड़ दो।"

एना और टीनो अपने काम पर वापस चले गए। एंजेलिनो एक चट्टान पर बैठा साही के खुद को खोलने का इंतजार करता रहा। वह गतिहीन ही पड़ा हुआ था। एंजेलिनो सोचने लगा। जल्द ही उसका दयालु दिल उसकी समझदारी पर हावी हो गया। उसने चारों ओर देखा। टीनो एक पेड़ पर था। एना काफी दूर थी। जल्दी से उसने एक छड़ी उठाई और साही को सरकाकर अपने थैले में डाल लिया। "अगर मैं तुम्हें यहाँ छोड़ दूं तो तुम निश्चित रूप से भूखे मरोगे", उसने कहा, और थैला बंद कर दिया। फिर उसने दूसरों को बुलाया।" अब घर जाने का समय हो गया है? मेरा थैला भी भर गया है।"

एना को अपनी टोकरी भरने के लिए पर्याप्त मशरूम नहीं मिले थे, लेकिन उसके हाथ इतने ठंडे हो गये थे कि वह हार मानने के लिए तैयार थी।

कुछ ही मिनटों में टीनो पेड़ से नीचे उतरा और उसने संतोष के साथ कहा, "इस साल शाहबलूत बहुत अच्छे हैं। मुझे भुने हुए शाहबलूत बहुत पसंद हैं," उसने थैले को अपने शॉल के ऊपर से घुमाया और वे पहाड़ी से नीचे उतरने लगे।

एना ने चलते हुए कहा, "मशरूम इस बार उतने बड़े और प्रचुर मात्रा में नहीं हैं जितने पिछले साल थे।" उसने छोटी टोकरी को बाहर निकाला। "देखो। यह शायद ही पकाने के लायक हैं।"

एंजेलिनो ने कहा, "जब एक चीज़ की बहुतायत होती है तो दूसरी चीज़ की कमी होना तय है। दादाजी हमेशा यही कहते हैं।"

"मुझे देखने दो", टीनो ने कहा। "मैंने शाहबलूत का एक थैला भरा है, एना ने वे सभी मशरूम उठाए हैं जो उसे मिले। पर एंजेलिनो, क्या तुमने पर्याप्त हेज़लनट उठाए?"। "हां, हां , देखो मेरा थैला कितना भरा हुआ है," एंजेलिनो ने जल्दी से कहा।

वे जंगल के बीच से पहाड़ी से उतरते हुए गा रहे थे। एंजेलिनो के थैले में साही शांत पड़ा था, और इसके लिए ऐंजलिनो आभारी था।



वे छोटे-छोटे स्प्रूस और सदाबहार पेड़ों से ढकी एक ढलान पर आए,और उनकी मसालेदार सुगंध से हवा सुगंधित हो गई।

टिनो ने कहा, "चलो, आखिरकार क्रिसमस का स्वर्ग आ ही गया।" उसने चीड़ की खुशबू भर कर एक गहरी सांस ली।

"क्रिसमस की बात पर ध्यान आया," एंजेलिनो ने कहा, "क्या यह हमारी माला बनाने का समय नहीं है, जैसा कि हमेशा बनाते हैं?"

टिनो ने कहा, "बेशक। और यहां एक लाख क्रिसमस की मालाएं बनाने के लिए पर्याप्त सदाबहार हैं।" उसने अपनी जेब से चाकू निकाला और एक छोटे स्प्रूस के पेड़ की शाखाओं को काटने लगा।"

"कुछ मेरे लिए भी काट दो, टिनो," एंजेलिनो ने कहा। "मैं एक विशेष छोटी माला बनाना चाहता हूँ।"

सदाबहार शाखाओं और मेवों के थैलों से भरे हुए, वे निचले इलाकों की ओर ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलते रहे। काई से भरी चट्टानों पर गिरने वाले छोटे-छोटे झरनों के साथ एक चंचल नदी ढलान से नीचे उनका पीछा करती रही। जैसे की एंजेलिनो को उम्मीद थी, साही ने हिलना शुरू कर दिया। पहले ही उसका एक तेज कांटा उसकी पीठ पर चुभ रहा था। उसने थैले को अपने दूसरे कंधे पर ले लिया लेकिन उससे एक काटें के बजाय उसके स्वेटर में कई काटें चुभने लगे। एंजेलिनो जब तक सहन कर सकता था तब तक उसने दर्द को सहन किया, और फिर थैले को अपने पीछे जमीन पर खींचना शुरू कर दिया।

टिनो ने, सदाबहार के तम्बू, जिसने उसका सिर छिपा दिया था, के नीचे से बाहर झाँका। उसने कहा, "एंजेलिनो! थैला ले जाने का यह कोई तरीका नहीं है। इससे तो यह टुकड़ों में फट जाएगा और हेज़लनट बिखर जाएंगे। क्या यह तुम्हारे लिए बहुत भारी है?"

"नहीं, टीनो। यह बहुत भारी नहीं है।" एंजेलिनो ने बैग को फिर से अपने कंधे पर उठा लिया। उसने मुसकरा कर अपना चेहरा दूसरों से दूर कर लिया। अब उसे ऐसा लग रहा था जैसे कि साही का हर कांटा उसे चुभ रहा हो। फिर उसने तुरंत थैले को नीचे रख दिया और एना और टीनो की तरफ एक शरारती मुस्कान फैंकी। उसने कहा, "इसका कोई फायदा नहीं है। मैंने गलती कर दी।"

साही इतने गुस्से में थैले से बाहर निकला कि एंजेलिनो के हेज़लनट सभी दिशाओं में बिखर गए।

टीनो और एना ने उसे एक पत्थर के पीछे को भागते हुए देखा, फिर अपने भाई की ओर देखा, जो अवाक था। चुपचाप उन्होंने उसके बिखरे हुए मेवों को इकट्ठा करने में मदद की। एंजेलिनो एक शब्द भी नहीं बोला जबकि उसे लग रहा था कि किसी ने उसकी पीठ पर आग लगा दी है।

जब वे घर पहुंचे तो एंजेलिनो अपने कमरे में चला गया। उसने अपना स्वेटर और कमीज उतार दी और शीशे में अपनी पीठ की जाँच की। उसने कहा, "हे मां! ऐसा लगता है कि यह खसरा है।" उसने अपनी पीठ पर कुछ लेप लगा दिया और फिर अपनी कमीज पहन ली। उसने कहा, "मेरे लिए यही सही है।"

डिब्बे में घायल गौरैया ने एंजेलिनो को इधर-उधर चलते सुना और जोर से चहचहाने लगी। "ठीक है, थोड़ा धैर्य रखो", एंजेलिनो ने कहा। "तुम्हें रात का खाना मिल जाएगा।" उस शाम पूरा परिवार रसोई की बड़ी मेज के चारों ओर क्रिसमस की मालाएं बनाते हुए बैठा रहा। पहले वे हरियाली की छोटी शाखाओं को एक बड़े गोल फ्रेम में बुनते, फिर उसमें होली की टहनियां लगाते। फिर वह टहनियों के बीच शाहबलूत, हेज़लनट और बादाम के गुच्छों को बांधते।



जब तक मालाओं को अग्निकुंड के ऊपर टांगा गया, तब तक बहुत रात हो चुकी थी, लेकिन सोने से पहले दादाजी ने उन मालाओं को पूर्ण किया - उनके शीर्ष पर एक छोटी सी चमकीली रंगीन मूर्ति लगाकर। यह बालक ईसा मसीह था, और इसकी व्यापक भुजाएं पूरे परिवार को अपनी ओर बुलाती और गले लगाती प्रतीत होती थीं।

एंजेलिनो ने अपनी छोटी सी माला पूरी कर ली थी और इसे तब तक ठंडा और ताजा रखने के लिए खिड़की के दरवाजे पर रखा जब तक कि वह इसे चर्च के बगीचे में सेंट फ्रांसिस के पास नहीं ले जा सके।

उस रात उसकी पीठ पर लगे तीखे कांटों ने उसे बेचैन कर दिया, और वह एक आरामदायक स्थिति खोजने की कोशिश में लगातार बिस्तर पर इधर उधर हिलता रहा। गफलत में उसकी आँखों के सामने अजीब दृश्य घूमते रहे, और जब आखिरकार जब उसे नींद आई तो उसने सपना देखा कि वह बहुत दूर एक अजीब देश में है। वह एक व्यस्त सड़क पर चल रहा था, लेकिन ऑटोमोबाइल के बजाय उसे केवल बैल और गदहे दिखे, और लोगों ने उनसे काफी अलग कपड़े पहने हुए थे। वे दोस्ताना और खुश लग रहे थे, और उसे आश्चर्य हुआ जब हर कोई अनायास हंसने और गाने लगा।

एंजेलिनो अचानक से जागा। उसने पलक झपकाकर चारों ओर देखा। वहां उसके बिस्तर के बगल में, सुबह की हल्की रोशनी में, उसका भाई टीनो खड़ा था। एंजेलिनो ने कहा, "मैंने एक सपना देखा था।" एक मुर्गे की बांग ने उसकी आवाज़ को दबा दिया।

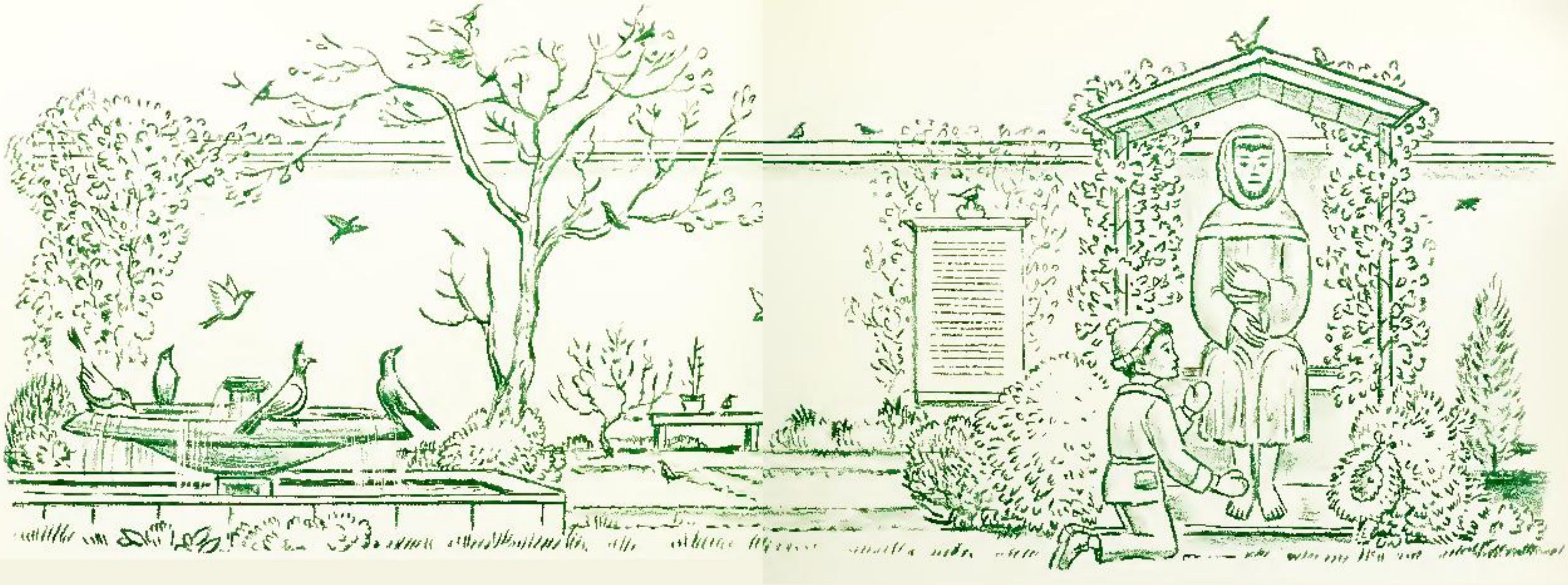
"मुझे मालूम है," टीनो ने कहा। उसने कहा, "तुम्हारा सपना बहुत खुशी भरा रहा होगा। तुम जोर जोर से हँस रहे थे।"

"मैं हँस रहा था?" एंजेलिनो ने पूछा? "ओह!" उसने अपनी पीठ पर हाथ रखा और मुस्कुराया।

टीनो ने पूछा, "क्या हुआ?"

"कुछ नहीं। सचमुच, कुछ भी नहीं है।"

"ठीक है, फिर वापस सो जाओ। जल्द ही नाश्ते का समय हो जाएगा।"



क्रिसमस से तीन दिन पहले एंजेलिनो अपनी बांह पर छोटी माला लिए चर्च के बगीचे में गए। उसने चारों ओर देखा और पाया कि विशाल फव्वारे में पानी जम गया था। कुछ कबूतर और गौरैया बर्फ को ऐसे देख रहे थे जैसे वे उसे पीने की कोशिश कर रहे हों। एंजेलिनो ने एक नोकीला पत्थर लेकर बर्फ पर मारा जिससे सतह में दरार आ गई, और कुछ ही मिनटों में कई नीलकंठ, लाल चिड़िया, मैना और गौरैया पानी के छोटे से तालाब के चारों ओर जमा हो गए। वह रोटी के कुछ टुकड़े भी लेकर आया था, जिन्हें उसने तोड़ा और जमीन पर बिखेर दिया। कुछ देर तक वह पक्षियों को खाते हुए देखता रहा, फिर संत के आश्रय की ओर बढ़ गया।

माला अर्पण करते हुए उसने देखा कि क्या संत फ्रांसिस फिर से मुस्कुरा रहे थे लेकिन उनका चेहरा अभी भी उदास था। एंजेलिनो आकृति के आधार पर माल्यार्पण करने वाला था जब उसने अचानक संत के नंगे पैरों को देखा।

उसने उन्हें ऐसे देखा जैसे वह उन्हें पहली बार देख रहा हो। "यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आप दुखी हैं," उसने कहा। आपके पैर जम गए हैं!" एंजेलिनो ने अपने हल्के हाथों से उन्हें छुआ और ऐसा करते-करते उसके दिमाग में एक शानदार विचार आया। वह पीछे हट गया और अचानक खुशी से भर कर संत की ओर देखा। "आपको एक जोड़ी जूते चाहिए!" उसने कहा।

उसने ध्यान से संत के पैरों पर माल्यार्पण किया, फिर बुड़बुड़ाते हुए कहा, "जूते, जूते, जूते!" एक योजना उसके दिमाग में आग लगा रही थी। "मैं उनके लिए एक जोड़ी जूते बनाऊंगा", उसने कहा। अगर वह ऊपर देखता तो शायद उसे संत के चेहरे पर एक मंद मुस्कान दिखाई देती।

लेकिन एंजेलिनो जो अपनी अचानक प्रेरणा से बहुत उत्साहित था, तेजी से बगीचे से बाहर निकल गया।

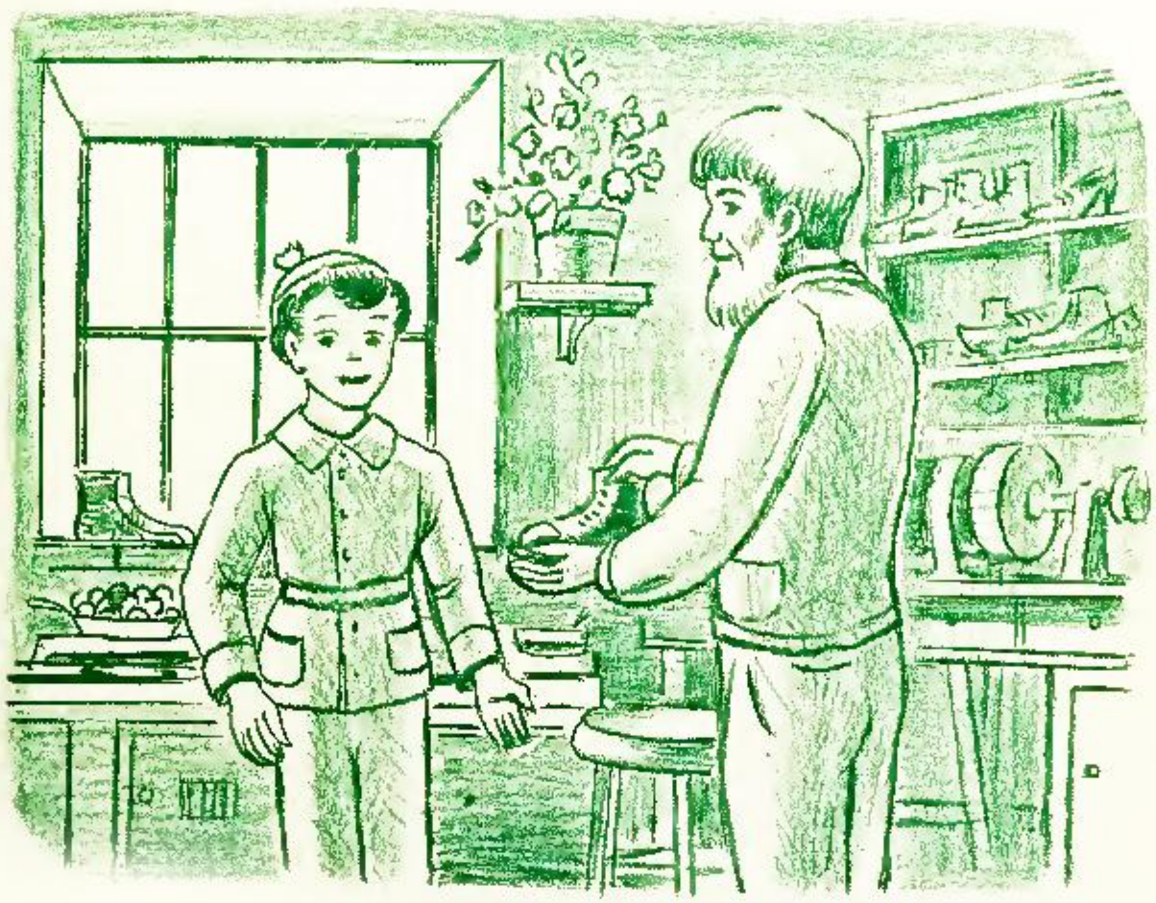
"तो फिर अब", उसने अपने आप से कहा, "चमड़ा कहां मिलेगा, यही समस्या है। लेकिन निश्चित रूप से! जूता बनाने वाले की दुकान के अलावा और कहां!"

एंजेलिनो दौड़ पड़ा। उसके जूतों के तलवे ठंडे फुटपाथ पर चिपक रहे थे, और उसके पैर ठंड से सुन्न हो गए थे, लेकिन उसे इसका कोई अहसास नहीं था। सड़कों पर बहुत से लोग थे, जो दुकानों में आने-जाने में व्यस्त थे।

वे ज्यादातर बाहरी खेतों के किसान थे, और किसी ने भी एंजेलिनो पर ध्यान नहीं दिया। अंत में वह छोटे, दाढ़ी वाले, जूते बनाने वाले श्रीमान गैलो के पास पहुँचा।

वे लोहे के चूल्हे पर एक पैन में शाहबलूत हिला रहा था। छोटे से दरवाजे की घंटी की आवाज़ पर उन्होंने कहा, "चाहे वह कोई भी हो, मैं क्रिसमस के बाद तक कोई काम नहीं कर रहा हूँ। इसलिए यदि आप व्यापार के लिए आए हैं, तो माफ़ करें।" इसी समय एक बादाम अपना कवच फोड़ते हुए उछल गया। "ओह, यह तुम हो, एंजेलिनो! अंदर आओ और खुद को गर्म करो। शर्म न करो। तुम्हारा चेहरा कितना लाल हो गया है। ठंड हो रही है।" कड़ाही से बाहर निकालते हुए शाहबलूत जोर-जोर से फूटने लगे। "यह अच्छे से पक गए हैं तुम भी कुछ ले लो। ये तुम्हें गर्म कर देंगे।" लड़के ने बादाम छीले और खाए जबकि बूढ़ा आदमी लगातार बात कर रहा था। वह एक अकेला आदमी था और किसी का साथ पाकर खुश था। एंजेलिनो घबराने लगा। उसे नहीं पता था कि कैसे कहना चाहिए। अंत में उन्होंने साहस किया, "श्रीमान गैलो, मुझे चमड़े का एक टुकड़ा चाहिए। क्या आप मुझे कुछ बेच सकते हैं? मैं धीरे धीरे आपको इसके पैसा चुका दूंगा। "

"क्यों नहीं? "श्रीमान गैलो ने कहा। उन्होने लड़के के जूतों को देखा और सोचा, "मुझे पता है कि वह अपने पुराने जूतों को ठीक करना चाहता है, लेकिन मैं उसे मूर्ख बनाने जा रहा हूं।" बूढ़ा आदमी एक छोटी सी धुन गुनगुनाता हुआ अलमारी तक चला गया।



वह हाथ में एक जोड़ी नए जूते लेकर वापस आया। "यहां बैठ जाओ। इन्हें आजमा कर देखें। तुम उन पुराने जूतों को ठीक नहीं कर सकते, एंजेलिनो। वे लगभग थक चुके हैं।”

एंजेलिनो घबरा गया। "श्रीमान गैलो", उसने कहा, "यह बहुत अच्छे हैं, लेकिन मैं ये जूते नहीं ले सकता। मुझे सिर्फ चमड़े का एक टुकड़ा चाहिए।" बूढ़े आदमी ने गर्व से कहा, "मैं जूता बनाने वाला हूँ।" उसने अपनी भौहें झुका दीं। "और मुझे पता है कि तुम्हारे जूते मरम्मत से परे हैं।" वह फिर से बोला। एंजेलिनो ने विनम्रता से हस्तक्षेप किया। "मैं आपसे क्षमा मांगता हूँ, आप समझ नहीं रहे। मैं चमड़े से कुछ अलग बनाना चाहता हूं, कुछ बहुत खास।“

बूढ़े, जूता बनाने वाले की आँखें चमकने लगी। "ओह, मैं देख रहा हूँ", उसने कहा। वह जिज्ञासु हो गया। "शायद अपने कुत्ते के लिए एक कॉलर?"

"नहीं, श्रीमान गैलो। अगर मेरे पास कुत्ता होता भी तो वह कॉलर नहीं पहनता।"

"एक नई बेल्ट? या-या अपनी किताबें ले जाने के लिए एक बस्ता?"

"नहीं, श्रीमान गैलो, इनमें से कुछ भी नहीं,“ एंजेलिनो ने कहा।

"तुम किसी के लिए क्रिसमस का उपहार बनाने जा रहे हैं? यही न?"

"हाँ, श्रीमान गैलो।"

"ठीक है, मैं समझ गया", जूता बनाने वाले ने कहा। "मेरे पीछे आओ।" वह एंजेलिनो को विभिन्न रंगों के चमड़े के बड़े और छोटे टुकड़ों से भरे एक शेल्फ की ओर ले गया। "तुम इनमें से कोई भी ले सकते हो, एंजेलिनो।" वह फिर से अपनी छोटी सी धुन गुनगुनाने लगा।

एंजेलिनो ने नरम, चमकीले लाल चमड़े का एक टुकड़ा उठाया। "यह ठीक है", उसने सोचा। उसने इसे जूता बनाने वाले को दिखाने के लिए उठाया। "इस टुकड़े के लिए कितना?"

बूढ़े आदमी ने गुनगुनाना बंद कर दिया। उसने चमड़े को ध्यान से देखा, अपने कंधों को हिलाया और उसने कहा, "एक लाख डॉलर उचित कीमत होगी।"

एंजेलिनो को नहीं पता था कि उसने ऐसा क्यों किया, लेकिन वह इतनी जोर से हंसने लगा कि वह मुश्किल से खुद को रोक सका। जब उसने हंसना बंद किया तो उसने कहा, "ठीक है, श्रीमान गैलो, मैं आपको थोड़े-थोड़े करके एक लाख डॉलर दे दूंगा।"

अब जूता बनाने वाले की हंसने की बारी थी। उसकी बूढ़ी आँखों से आँसू बह निकले। एंजेलिनो के जाने से पहले, बूढ़े आदमी ने लड़के की जेब को गर्म शाहबलूत से भर दिया। वह अपनी दुकान के दरवाजे पर खड़ा उसे देख रहा था। एंजेलिनो तेजी से चौक के पार भाग रहा था। जब उसने लड़के को चर्च के बगीचे में जाते देखा तो वह उत्सुक हो गया।

"मुझे आश्चर्य है कि वह क्या कर रहा है," जूता बनाने वाले ने सोचा। उसने अपना ओवरकोट पहना और जल्दी से एंजेलिनो का पीछा करने लगा। सावधानी से वह रास्ते पर चलता रहा जब तक कि उन्होंने एंजेलिनो को संत की मूर्ति के पास खड़ा नहीं देखा। वह एक सदाबहार झाड़ी के पीछे छुप कर देखने लगा कि लड़का क्या कर रहा था। लेकिन ठंड ने उनकी आँखों में पानी भर दिया जिससे वे आँसूओं से लगभग अंधे हो गए। उनकी जिज्ञासा बढ़ती गई।

एंजेलिनो संत के पैर माप रहा था। "वे सिर्फ मेरे हाथ के आकार के हैं,” उन्होंने एक छोटे से स्वर में कहा। "शायद थोड़ा बड़ा या छोटा, मुझे ही निर्णय लेना पड़ेगा।" लेकिन उसने यह सुनिश्चित करने के लिए फिर से मापा और मापा। जब वह संतुष्ट हुआ तो उसने संत से जोर से कहा, "मैं क्रिसमस की पूर्व संध्या पर वापस आ जाऊंगा।"

जूता बनाने वाला झाड़ी के पीछे रहा ताकि एंजेलिनो बगीचे से बाहर निकलते हुए उसे न देख पाए। लेकिन उनके पुराने कान तेज थे और उन्होंने एंजेलिनो की बातों को पकड़ लिया। वह लड़के के अजीब व्यवहार के बारे में बहुत अधिक आश्चर्यचकित था। "मुझे क्रिसमस की पूर्व संध्या पर पता चल जाएगा। मैं कड़ी नजर रखूंगा,“ उसने खुद से कहा।

एंजेलिनो अपने कामों के बीच और शाम को जूतों पर काम करता था। क्रिसमस की पूर्व संध्या तक केवल दो दिन बचे थे, लेकिन उसने संत से एक वादा किया था और वादा निभाना था। उसे अपने काम में विश्वास था। इससे वह खुशी से भर गया था। उसने चमड़े को एक उचित माप में काटा और इस बात का ध्यान रखा कि वह खराब या बर्बाद न हो, और टुकड़ों को एक साथ सिल दिया। बड़ी मेहनत से उसने एक जूता तैयार किया। उसने सोचा, "दूसरे को बनाना आसान होगा।" और वह सही भी था। मानो जादू से, दूसरा जूता अपने-आप बन गया हो।

एंजेलिनो ने दोनों हाथों में एक-एक जूता पकड़ा और उन्हें बहुत देर तक देखा। उसे वह कुछ अधूरे लगे।



उनका आकार और नाप एकदम सही लग रहा था, लेकिन कुछ कमी थी। फिर अचानक उसे समझ आ गया। "छेद और फीते!" उसने उचित स्थानों पर छेद किए, चमड़े की कुछ लंबी पतली पट्टियाँ काटीं, और उन्हें अंदर बांध दिया, और अब जूते वास्तव में तैयार थे। उसने उन्हें तब तक रगड़ा जब तक कि वे चमक नहीं गए। वह कुछ समय के लिए वहीं बैठा रहा और अपनी हस्तकला की प्रशंसा करता रहा। फिर उसने उन्हें एक कागज के थैले में डाल दिया। उसने उनका एक छोटा सा पार्सल बनाया जो उसकी जेब में आराम से आ सके।

अब एंजेलिनो सेंट फ्रांसिस के पास अपना उपहार लेने के लिए इतना उत्सुक था कि घंटे बहुत धीरे-धीरे बीतते दिख रहे थे। आखिरकार यह क्रिसमस की पूर्व संध्या थी, और आधी रात को प्रार्थना सभा में जाने का समय था। आधी रात से एक घंटे पहले परिवार के सभी लोग गर्मजोशी से इकट्ठा होकर बैलगाड़ी में बैठ गए। जैसे ही वे गाँव की ओर पहुंचे, गाँव की शांति केवल जमे हुए बर्फ के मैदान पर गाड़ी के पहियों की गड़गड़ाहट और परिवार की हंसमुख आवाज़ों से भंग हो रही थी। आकाश में सुनहरे प्रभामंडल से घिरा एक शानदार तारा दिखाई दे रहा था।

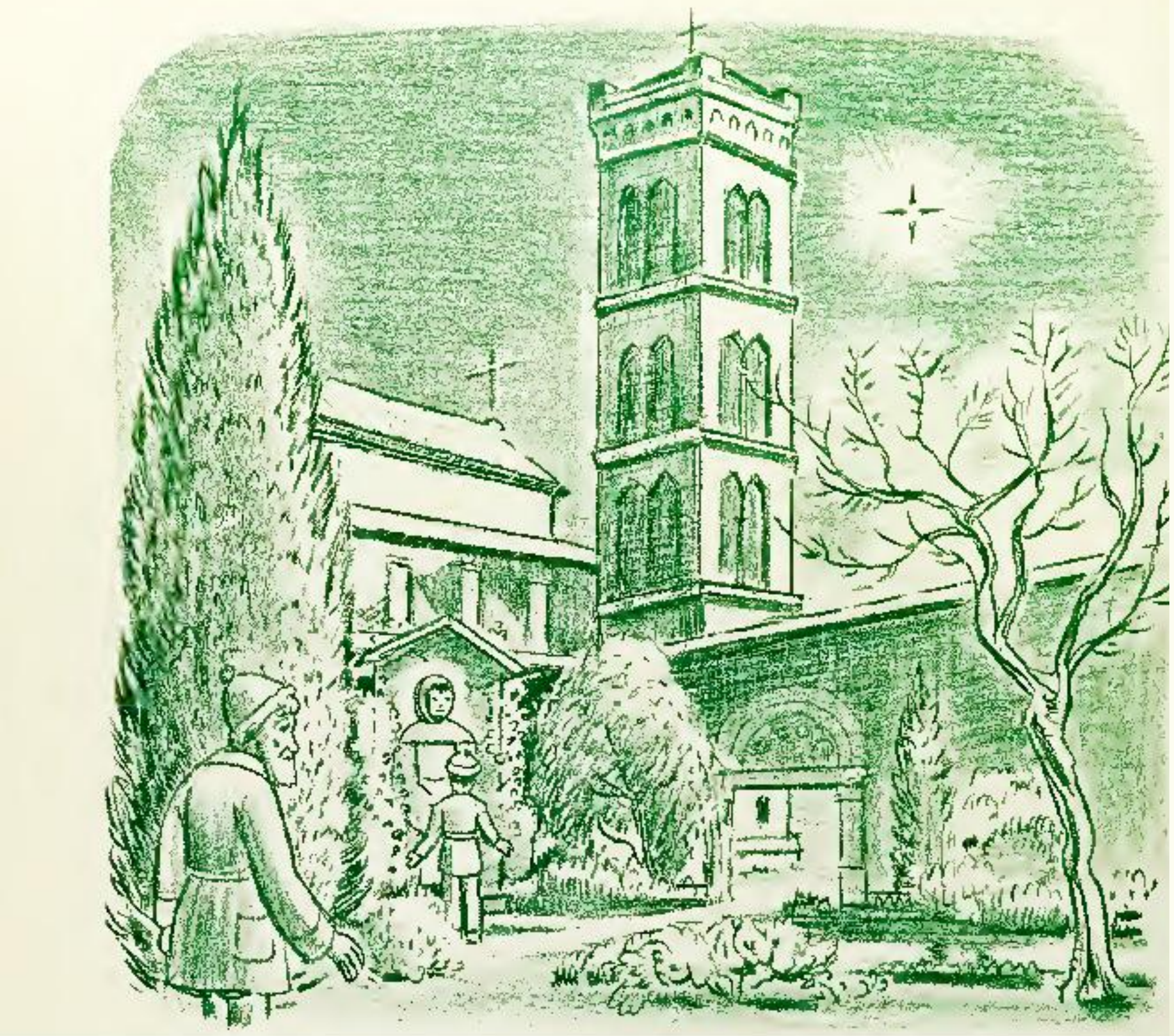
एंजेलिनो अपनी जेब में छोटे-छोटे जूतों को महसूस कर सकता था, और उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। वह बहुत बेचैन हो गया और उसके दिमाग में कई सवाल उठ रहे थे। वह संत के पैरों पर जूते कैसे लगाएगा? क्या वे वास्तव में सही नाप के होंगे? और वह चर्च के बगीचे में जाने का क्या कारण बताएगा? लेकिन जैसे ही वे गाँव में घुसे, उसका विश्वास लौट आया।

बैलगाड़ी चौराहे पर से होती हुई जाकर चर्च के बगल में रुक गई। ऊँचे मीनार में क्रिसमस की पूजा की घंटी बजने लगी।

एना और टीनो दोनों ने कहा, "देर हो गई!"

एंजेलिनो को छोड़कर सभी लोग जल्दी से पत्थर की सीढ़ियों पर चढ़ गए और चर्च में चले गए। उसने अपने जूते के फीते बांधने का बहाना बना लिया था, और जब उसने ऊपर देखा तो कोई आसपास नहीं था। वह बगीचे के द्वार की और अपने प्रिय संत के परिचित रास्ते पर भागने लगा।

बगीचे के सामने वाली ऊंची रंगीन कांच की खिड़कियों से आने वाली नरम रोशनी से अंदर जाने का रास्ता खोजना आसान था।



जूता बनाने वाला एंजेलिनो का इंतजार करने के लिए आधी रात से एक घंटे पहले से बगीचे में आ गया था। जैसे ही उसने जमीन पर जूते के तलवों के घसीटने की आवाज़ सुनी, उसे पता चल गया कि एंजेलिनो आ गया है, और वह जल्दी से उसी झाड़ी के पीछे चला गया जहाँ वह कुछ दिन पहले छिपा था। बूढ़े आदमी ने भेड़ की खाल का कोट और कान पर अच्छी तरह से खींची गई ऊनी टोपी पहनी हुई थी। उसकी भाप भरी सांसें अंधेरे में छोटे-छोटे सफ़ेद बादल बना रही थी। जहाँ वह खड़ा था, वह सब कुछ देख सकता था जो एंजेलिनो कर रहा था।

एंजेलिनो को अपनी पहली समस्या को हल करने में बहुत कम समय लगा। बैठी लकड़ी की मूर्ति वजन में हल्की थी और उसके पैर उस आधार पर नहीं बंधे थे जिस पर वे आराम कर रहे थे। मूर्ति को पीछे झुकाकर खड़ा करना पड़ा। अंधेरे में खोज करते हुए, एंजेलिनो को टूटी हुई छत की टाइल का एक टुकड़ा मिला, जिसे उसने पैरों को आधार से थोड़ा ऊपर उठाने के लिए आकृति के नीचे रखा। एंजेलिनो ने थैले से लाल जूते निकाले और उन्हें संत के पैरों पर रख दिया। "और यह एकदम सही आ रहें हैं!" उसने कहा। उसने ध्यान से टाइल के टुकड़े को हटा दिया और आकृति को धीरे से उसकी सही स्थिति में नीचे कर दिया। अंधेरे में जूते चमक रहे थे। एंजेलिनो ने ऊपर देखा, लेकिन रोशनी इतनी क्षीण थी कि वह संत का चेहरा नहीं देख सका। "मैं कल वापस आऊँगा।"

जूता बनाने वाला अपनी सांस रोके हुए देख रहा था ताकि एंजलिनो को पता नही चल जाए। उसने जो देखा वह उससे इतना प्रभावित हुआ कि वह मुश्किल से अपने आंसुओं को रोक सका। "हे भगवान", बगीचे से चुपचाप बाहर निकलते हुए उसने सोचा, "उस लड़के ने सबसे सुंदर काम किया है।"



एंजेलिनो भी चुपचाप बगीचे से बाहर निकल गया और उसे जूता बनाने वाला अंदर जाता दिखाई दिया।। "मुझे आश्चर्य है कि श्रीमान गैलो को देर कैसे हो गयी?" उसने सोचा। "शायद वह आधी रात का इंतजार करते हुए अपनी कुर्सी पर सो गये होंगें।"

चर्च हर उम्र के लोगों से खचाखच भरा हुआ था। एंजेलिनो ने अपनी उंगलियों को पवित्र जल स्तंभ में डुबोया, खुद को पार करने के लिए पल भर के लिए घुटने टेक दिए, फिर बैठने के लिए जगह की तलाश में गलियारे में खड़ा हो गया। अचानक एक हाथ ने उसकी कोट का बाजू खींचा। वह मुड़ गया और उसने गीनो को देखा। "यहाँ आ जाओ", उसके दोस्त ने कहा।

एंजेलिनो गीनो और एक बहुत बूढ़ी औरत के बीच बैठा, जिन्होंने काले कपड़े पहने हुए थे और सिर पर भारी शॉल पहनी हुए थी। उन्होने एंजेलिनो को उल्लू की तरह खुली आँखों से देखा। "बहुत जगह है", उन्होने फुसफुसाकर कहा। "चिंता मत करो।"

चर्च सदाबहार से सजा हुआ था, और सफेद संगमरमर की वेदी पर नीले तारों से घिरे गुंबद से एक विशाल तारा लटका हुआ था। कई ज्वलंत मोमबत्तियां एक सुंदर हिलती हुई रोशनी डाल रही थी, और हवा, पानी और मोम की खुशबू से भर गई थी।

प्रार्थना करते हुए पुजारी की सुरीली आवाज़ इमारत के हर कोने और नुक्कड़ में गूंजती रही।

गीनो फुसफुसाया, "जरा सोचो, कल क्रिसमस का दिन है!"

"हाँ, कल", एंजेलिनो ने कहा।

"तुम जानते हो क्या?" गीनो ने पूछा।

"क्या?" एंजेलिनो ने कहा।

"आखिरकार मेरे पिता मुझे स्कूटी खरीद कर देने जा रहे हैं!"

"क्रिसमस के लिए?" एंजेलिनो इतना आश्चर्यचकित था कि वह काफी जोर से बोला।

"नहीं, जब मैं अठारह साल का हो जाऊंगा। उन्होने वादा किया है," गीनो ने कहा। "तो आठ और वर्षों में तुम मुझे स्कूटी की सवारी करते हुए देखोगे।"

एंजेलिनो फुसफुसाया, "आठ साल एक बहुत लंबा समय है, गीनो।"

बूढ़ी औरत ने सुना। "यह उतना लंबा समय नहीं है जितना तुम सोचते हो, बेटा,“ और फिर उन्होंने होंठों पर उंगली रखकर लड़कों को और बात न करने की चेतावनी दी ।

जल्द ही वाद्ययंत्रों से चर्च गूंज उठा। प्रभु को धन्यवाद देकर मण्डली उठी और एक जुलूस का गठन हो गया। वे घूम कर चारागाह में रखे बालक जीसस की मूर्ति के पास आए और एक एक करके सबने उनके छोटे-छोटे पैरों को चूमा। फिर आधी रात की प्रार्थना सभा, चर्च के मीनार से खुशी-खुशी बजने वाली घंटियों के साथ समाप्त हो गयी।

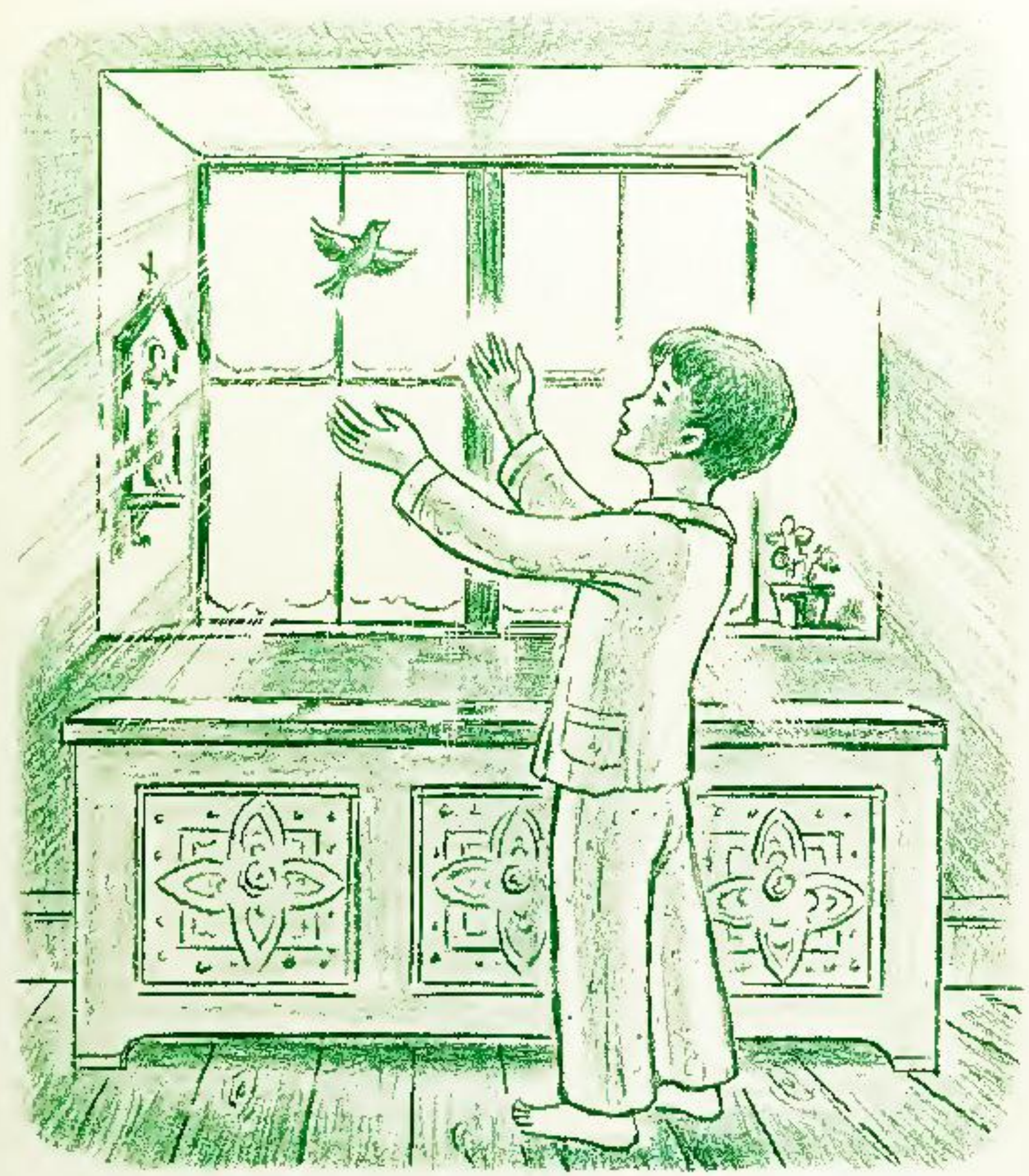
लोगों ने चर्च की सीढ़ियों पर खड़े होकर एक-दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी और अपनी बैलगाड़ियों, छोटे ट्रकों और गधा गाड़ियों में चढ़ कर अंधेरे में अपने घरों को चल पड़े। बच्चे इधर-उधर घूम रहे थे, एक-दूसरे से उन उपहारों के बारे में बात कर रहे थे जो उन्हें सुबह मिलने की उम्मीद थी। उनमें से अधिकांश आने वाले क्रिसमस के दिन को लेकर इतने उत्साहित थे कि वे घर जाकर सोना नहीं चाहते थे। चर्च की दीवारों पर हर्षोल्लास भरी आवाज़ें गूंजती रहीं।

एंजेलिनो और गीनो एक साथ बने रहे। गीनो बहुत शांत था। साइकिल से घर जाने से पहले उन्होंने अपने दोस्त से हाथ मिलाया। "क्रिसमस और नए साल तुम्हारे लिए शुभ हो, उसने एंजेलिनो से कहा। एंजेलिनो ने जवाब दिया, "तुम्हारे लिए भी, गीनो।"

वह अपने दोस्त को साइकिल पर चौराहे के पार तब तक जाते देखता रहा जब तक कि वह अंधेरे में गायब नहीं हो गया। फिर उसने अपने आस-पास के लोगों को देखा। वह अपने पिता और माँ का उनके दोस्तों को छोड़ने का इंतजार कर रहा था।

सबसे अधिक वह जूता बनाने वाले को देख रहा था, जो बहुत उत्साहित लग रहा था। वह एक समूह से दूसरे समूह में बात कर रहा था और इशारे कर रहा था। एंजेलिनो, श्रीमान गैलो को बचपन से जानता था लेकिन उसने उन्हें पहले कभी इतना प्रफुल्लित और उत्साहित नहीं देखा था। "शायद बूढ़े आदमी ने क्रिसमस जल्दी मनानी शुरू कर दी है," उसने सोचा। कुछ ही देर में उसकी माँ ने बुलाया और वह सब घर जाने लगे।





एंजेलिनो को यह पता नहीं था, लेकिन रात खत्म होने से पहले गाँव के लगभग सभी लोगों को संत और उनके छोटे लाल जूतों के बारे में पता था.

एंजेलिनो एक सुखद भावना के साथ जागा कि कुछ अद्भुत हुआ है। उसके पहले विचार संत के बारे में थे। "कम से कम उनके पैर गर्म होंगे।" खिड़कियों पर बर्फ थी, पर एक मोतीदार आकाश धूप का वादा कर रहा था। वह अपने बिस्तर पर आराम से लेट गया। मुर्गे ने ज़ोर से एक लंबी बांग दी। एंजेलिनो ने कहा, "और आपको क्रिसमस की बधाइयाँ।"

कुछ ही देर में उसे पंखों की गड़गड़ाहट सुनाई दी। "गौरैया अपने डिब्बे से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है", उसने सोचा और बैठ गया। उसे आश्चर्य हुआ जब वह अचानक कमरे में चारों ओर उड़ती दिखाई दी। अंत में वह खिड़की के दरवाजे पर सुरक्षित रूप से उतर गयी। एंजेलिनो चुपचाप बैठा रहा। उसने देखा और सुना। गौरैया ने एक छोटा सा गीत गाना शुरू कर दिया, और उसकी आवाज़ ने एंजेलिनो के दिल को खुश कर दिया।

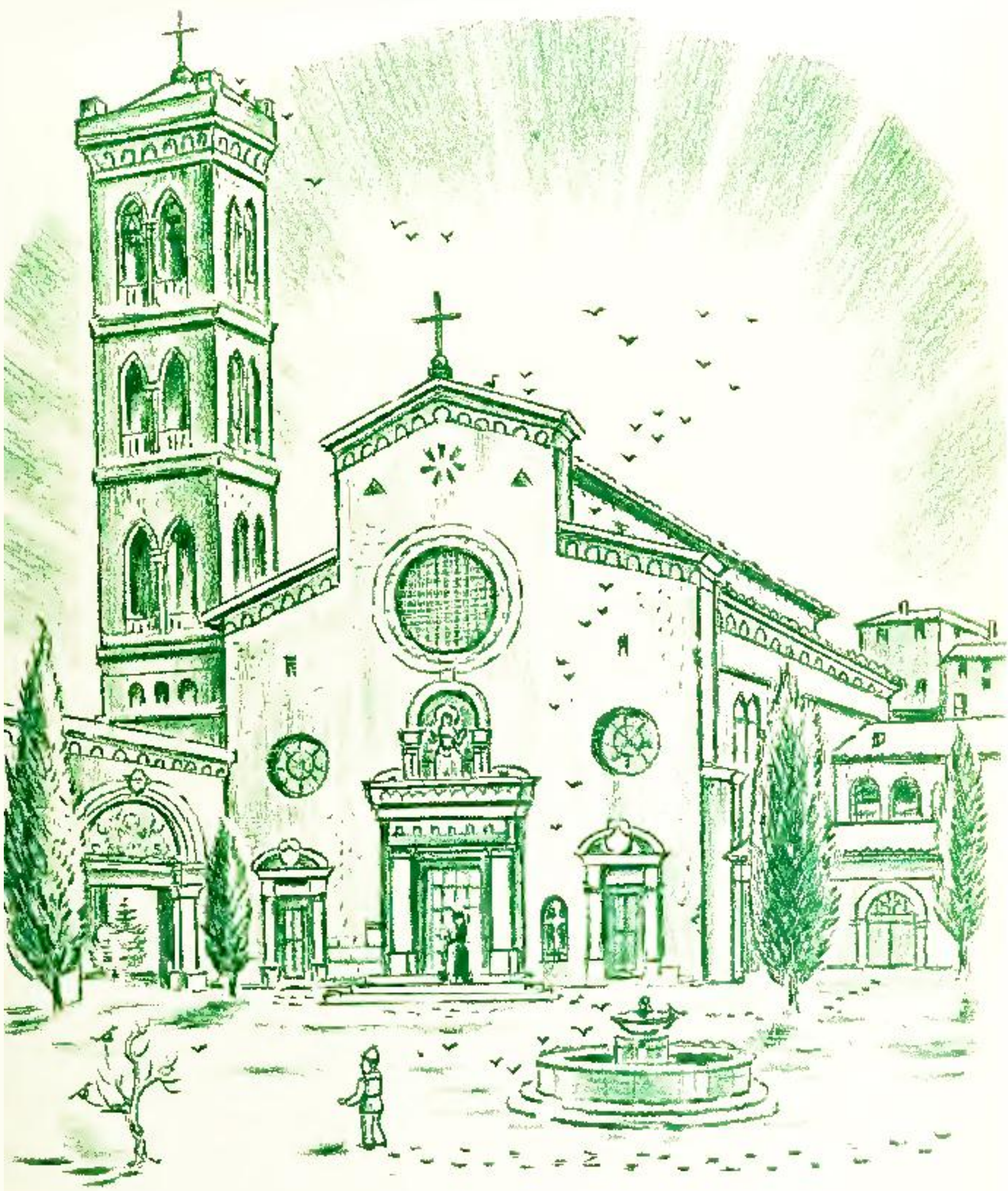
वह चुपचाप बिस्तर से बाहर निकला और खिड़की की ओर बढ़ा। गौरैया हिली नही। सिर हिलाकर उसने लड़के की ओर देखा। उसने जोर से आवाज़ की और अपने पंख हिलाए। "मुझे पता है, तुम बाहर जाना चाहती हो", एंजेलिनो ने कहा। धीरे से उसने पक्षी को उसके पंखों की जाँच करने के लिए उठाया। "तुम एक-दो दिन में उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाओगी," उसने कहा। उसने उसे वापस डिब्बे में डाल दिया, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। गौरैया फिर से बाहर उड़ गई! जब एंजेलिनो अपने कपड़े पहन रहा था तो वह आकर खिड़की के कोने पर बैठ गई। एंजेलिनो ने उसे वहीं छोड़ दिया।

खाना पकने की सुगंध उसके कमरे में घुस गई और अपने पीछे का दरवाजा बंद करते हुए, एंजेलिनो सीढ़ियों से नीचे चला गया। उसके पुराने जूते सीढ़ियों पर पड़े थे। उसे आश्चर्य हुआ कि आज पूरा परिवार इतनी जल्दी कैसे उठ गया।

उसने कहा, "सभी को क्रिसमस की बधाइयाँ!"

सबने खुशी से एकसाथ नाश्ता किया, लेकिन बाद में एंजेलिनो ने अपने उपहार खोलने का इंतजार भी नहीं किया। वह धीरे से पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गया। आधी रात और सुबह के बीच बहुत बर्फ गिर गई थी, और एंजेलिनो के पैरों के निशान गांव की ओर ले जाने वाली सड़क पर पड़ने वाले पहले निशान थे।

जब तक वह गाँव पहुँचा, उसके जूते गीले हो गए थे और उसके पैर आधे जमे हुए थे। बस कुछ ही लोग और थे, जो किसी वजह से इतनी जल्दी बाहर आए थे, और वे सड़क पर जल्दबाजी में चल रहे थे। एंजेलिनो चर्च से गुज़रे जहाँ पादरी अपने काले अगंरखे और टोपी में सीढ़ियों से बर्फ झाड़ रहे थे। फिर कुछ ही क्षणों में वह चर्च के बगीचे में था। आज यह पक्षियों से भरा हुआ था जो अपने छोटे से क्रिसमस कैरोल गा रहे थे। सूरज की एक बड़ी रोशनी से सब जगमगा रहा था और घंटी मीनार एक विशाल स्तंभ की तरह दिखाई दे रहा जो मानो सीधे पृथ्वी से बाहर निकल रही थी।





एंजेलिनो संत के छोटे से घर के रास्ते पर चले पड़ा। वह यह देखने के लिए उत्सुक था कि क्या संत के पैर गर्म लग रहे हैं। वहाँ, उसे, छोटे लाल जूतों के बगल में, एक बड़े करीने से लपेटा और रिबन से बंधा हुआ डिब्बा दिखाई दिया। एंजेलिनो ने बारीकी से देखा। उस पर एक संदेश था, जो लड़खड़ाते हाथ में लिखा हुआ था। उस पर लिखा था, "एंजेलिनो को क्रिसमस की शुभकामनाएं।" "यह अजीब है,“ उसने सोचा। "इसपर लिखा ही नहीं है कि यह किसने रखा है।"

हड़बड़ी में अपनी कांपती उंगलियों से एंजेलिनो ने डिब्बा खोला और अंदर देखा। वहाँ भूरे चमड़े के नए जूतों की एक जोड़ी थी!

"दुनिया में कौन?"

मानो संत के चेहरे पर कोई जवाब ढूँढने के लिए, उसने ऊपर देखा और कुछ ऐसा देखा जिससे उसका दिल खुशी से उछल पड़ा।

"वह मुस्कुरा रहे हैं! संत फ्रांसिस फिर से मुस्कुरा रहे हैं!" एंजेलिनो ने चारों ओर देखा, वह अपनी खोज को किसी के साथ साझा करना चाहते थे। लेकिन बगीचे में कोई और नहीं था।

जब उसका उत्साह थोड़ा कम हो गया, तो एंजेलिनो रास्ते में बैठ गया, उसने अपने टूटे हुए पुराने जूते उतार दिए और नए जूते पहन लिए। वे पूरी तरह से उसके नाप के थे। वह संत के सामने इधर-उधर घूमता रहा और हंसने लगा।

उसने कहा, "ये झींगुरों के गाने की तरह आवाज करते हैं।"

जैसे-जैसे वह अपने नए जूतों को आजमा रहे थे, उसने देखा कि सब कुछ कितना शुद्ध, साफ और चमकीला लग रहा था। अचानक संत के आश्रय के पास पत्थर की दीवार से एक गौरैया जोर से चहचहाने लगी। एंजेलिनो मुड़ गया, वह एक पल के लिए यह सोचकर चौंक गया कि यह उसके घर के कमरे की गौरैया है। उसकी नज़रें दीवार में लगी संगमरमर की पटिया पर पड़ीं। उसने अक्सर उस पर उकेरे गए शब्दों को देखा था, लेकिन आज पहली बार उन्हें ध्यान से और धीरे धीरे पढ़ा।

हे मेरे प्रभु, आपकी सदा ही प्रशंसा हो।

अपने सभी प्राणियों के साथ, सभी से ऊपर, भाई सूर्य के माध्यम से आपकी प्रशंसा हो जो रौशनी देते हैं और उससे हमें रौशन करते हैं।

वह महान भव्यता के साथ सुंदर और उज्ज्वल है, और उनमें आपसे सर्वाधिक, समानता है।

हे मेरे प्रभु, बहन चंद्रमा और तारों के माध्यम से आपकी प्रशंसा हो,

स्वर्ग में आपने उन्हें स्पष्ट, बहुमूल्य और सुंदर बनाया है।

हे मेरे प्रभु, हवा, और बादल, और विभिन्न सुंदर मौसमों के माध्यम से आपकी प्रशंसा हो, जिसके द्वारा आप जीवों को प्राण उर्जा प्रदान करते हैं।

हे मेरे प्रभु, बहन जल के माध्यम से आपकी प्रशंसा हो, जो हमारी बहुत सेवा करती है, और शान्त, बहुमूल्य और स्वच्छ है।

हे मेरे प्रभु, भाई अग्नि के माध्यम से आपकी प्रशंसा हो,

जिसके द्वारा आपने रात को रौशन किया है।

और वह सुंदर, आनंदमय, और मजबूत है।

तेरी स्तुति हो, हे मेरे प्रभु, हमारी धरती माँ के माध्यम से आपकी प्रशंसा हो, जो हमें बनाती और रखती है, और रंगीन फूलों और जड़ी-बूटियों के साथ विभिन्न से फलों से हमारा पोषण करती है।

स्तुति करो और मेरे प्रभु की स्तुति करो, और उनका धन्यवाद करो, और बड़ी विनम्रता के साथ उनकी उपासना करें।



एंजेलिनो ने पढ़ना समाप्त किया। सूरज और चंद्रमा और सितारों और हवा और पानी के दर्शन में खोया वह जाने के लिए मुड़ा। उसे लगा जैसे वे सभी भगवान की स्तुति कर रहे थे। पर उसने अपनी आंखों के सामने जो देखा उसपर उसे विश्वास नहीं हो रहा था। बगीचा लोगों से भर गया था। वहाँ उसके पिता और माँ, एना और टीनो और उनके दादा थे। लकड़ी की नक्काशी करने वाले श्रीमान रफिनो, अपने कुत्ते के साथ वहाँ था। वहाँ श्रीमान बियांको, जो बेकर थे, अपने बेटे गिनो के साथ थे। श्रीमान बुटी भी आ गये थे और उसके बगल में जूता बनाने वाले श्रीमान गैलो भी खड़े थे। लोग बगीचे में ऐसे घूम रहे थे जैसे गर्मी का मौसम हो। कुछ लोग फव्वारे के पास खड़े थे। धीरे-धीरे वे सब संत फ्रांसिस की प्रतिमा के पास जमा हो गए।

एंजेलिनो को कुछ समझ नहीं आ रहा था। उसे यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। लेकिन यह एक सपना नहीं हो सकता था, क्योंकि वह उनकी आवाज़ सुन सकता था और समझ सकता था कि वे क्या कह रहे थे। जाहिर तौर पर हर कोई संत के लाल जूते देखने आया था। भीड़ की ओर से बार-बार ओह और आह कहा जा रहा था। एक आदमी ने कहा, "यह एक चमत्कार है।" "इसमें कोई संदेह नहीं है।"

एक अन्य ने कहा, "मैं यह नहीं बता सकता कि जूते वहाँ कैसे आए।" किसी ने कहा, "वे कहते हैं कि यह रात में हुआ।" "मैं वर्षों से इस बगीचे में नहीं आया हूँ पर मुझे खुशी है कि मैं आया," एक अधेड़ उम्र के आदमी ने कहा, जैसे कि वह बाकी सभी के लिए बोल रहा था। एक बहुत बूढ़ी औरत अपनी बेंत पर झुककर संट फ्रांसिस की ओर देख रही थी। उन्होंने कहा, "एक चमत्कार जल्द या बाद में होना तय था।" "हमारे पास अस्सी वर्षों में एक भी नहीं है। मैं तब छोटी लड़की थी, लेकिन मुझे याद है। यह वह समय था जब चर्च की घंटी ने अपना स्वर बदल दिया था।

यह बोलने लगी थी, ध्यान रखें। हर बार जब पुजारी रस्सी खींचता तो वह बोलती, "चर्च में आओ, चर्च में आओ, चर्च में आओ।" एक बूढ़े आदमी ने कहा, "इतने सालों में मैंने कभी संत को इतना मुस्कुराते हुए नहीं देखा।" बच्चे संत के चारों ओर जमा हो गए, वह उनके लाल जूते छूने के लिए उत्सुक थे, और बड़े दोस्ताना समूहों में खड़े थे और एक-दूसरे से बात कर रहे थे। ठंड के बावजूद बगीचा गर्म और खुशनुमा लग रहा था, और खुशी और उत्साह से भरे लोग धीरे-धीरे अपने क्रिसमस के भोजन के लिए घर को जाने लगे। वे मुस्कुराते हुए और जोर जोर से बातें करते हुए जा रहे थे। उनमें त्यौहार का उत्साह देखते ही बनता था।

एंजेलिनो के पिता और माँ ने बेकर और उसके बेटे को रात के खाने और दोपहर खेत में बिताने के लिए आमंत्रित किया जिसे श्रीमान बियांको ने खुशी के साथ स्वीकार किया। जब उनके बुजुर्ग घर की ओर बढ़ रहे थे तो गिनो ने एंजेलिनो को एक मिनट के लिए पीछे रहने के लिए कहा। दोनों लड़के संत की मूर्ति के सामने खड़े थे। गिनो ने गंभीरता से कहा, "एंजेलिनो, तुम सही थे। वह उस दिन उदास लग रहे थे, और आज वह वास्तव में मुस्कुरा रहे हैं। उन्हें खुश करने के लिए कुछ हुआ होगा। क्या तुम्हें कोई अंदाजा है कि यह क्या हो सकता है?”

इससे पहले कि एंजेलिनो जवाब दे पाता, श्रीमान गैलो बगीचे से टहलते हुए आ गया। "क्रिसमस की शुभकामनाएं, गीनो,“ उन्होने विनम्रता से कहा। फिर उन्होंने एंजेलिनो के चमकते चेहरे से सेंट फ्रांसिस के हल्के से मुस्कुराते हुए चेहरे की ओर देखा। "मैं देख सकता हूँ कि तुम्हें खुशी के लिए मेरी शुभकामनाओं की आवश्यकता नहीं है, एंजेलिनो। ऐसा लगता है कि तुम्हें और संत दोनों को खुशी का रहस्य मिल गया है।”

एंजेलिनो हँसा। उन्होंने अपने नए भूरे रंग के जूतों पर और फिर संत के पैरों में लाल जूतों पर नज़र डाली। "ओह, लेकिन हमें शुभ कामनाएँ मिली," श्रीमान गैलो, "और वह सच भी हो गई।"

